{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 09 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 163
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

जॉबी जॉर्ज को दो साल की जेल

कोच्चि। कोच्चि की एक कोर्ट ने केरल के फिल्म प्रोड्यूसर जॉबी जॉर्ज को धोखाधड़ी के दो मामलों में दो-दो साल की जेल की सजा सुनाई है। एडिशनल सेशंस कोर्ट के जज सबरीनाथन पी ने जॉबी जॉर्ज (49) को विदेश में नौकरी और बिजनेस के मौके दिलाने के दो मामलों में दोषी पाया। कोर्ट ने प्रोड्यूसर जॉबी जॉर्ज की मां एलिस जॉर्ज और पत्नी सुनीमोल को शनिवार को दोनों मामलों में बरी कर दिया गया। जॉर्ज कई मलयालम फिल्मों के प्रोड्यूसर हैं, जिनमें 'किष्किंधा कंदम', 'कावल' और 'शायलॉक' शामिल हैं। जॉबी जॉर्ज को बीजू वर्गीस और डार्ली बीजू नाम के एक कपल को धोखा देने का दोषी पाया गया। प्रोड्यूसर ने उन्हें लंदन में बिजनेस शुरू करने में मदद करने का वादा किया था। न्यूकैसल में पार्टनरशिप बेसिस पर एक ऑफ-लाइसेंस दुकान खोली। साथ ही यूके के एक कॉलेज में एडमिशन का इंतजाम करवाया। उसने 2010 में कपल से 17.75 लाख रुपये लिए थे।

प्रशांत महासागर में 6 रिक्टर तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। प्रशांत महासागर में रविवार को 6 रिक्टर तीव्रता का भूकंप आया। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि भूकंप भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2.58 बजे आया। इसकी गहराई 130 किलोमीटर दर्ज की गई। प्रशांत महासागर के किनारे का इलाका 'पैसिफीक रिंग ऑफ फायर' के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया का सबसे एक्टिव भूकंपीय क्षेत्र है, जहां पृथ्वी के लगभग 81प्रतिशत बड़े भूकंप आते हैं।

मेयर ममदानी के घर पर बम से हमला

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास के बाहर संदिग्ध बम फेंकने की कोशिश की गई। यह घटना ग्रेसी मेंशन के बाहर हुई, जहां अचानक धुआं और आग जैसी स्थिति देखी गई। मौके पर मौजूद लोगों में डर और भगदड़ का माहौल बन गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया, जबकि कुल छह लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ा गया है। जानकारी के मुताबिक यह घटना दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच झड़प के दौरान हुई, जिसने माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण बन गया। स्वतंत्र समाचार एजेंसी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में गिरफ्तारी से कुछ ही समय पहले एक संदिग्ध दूसरे को बम सौंपता दिख रहा है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ज़ोहरान ममदानी के आवास ग्रेसी मेंशन के बाहर हुए बम हमले के प्रयास में पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा है। पुलिस जांच कर रही है कि हमले के लिए किस चीज का इस्तेमाल किया गया था।

कुछ ना कहना

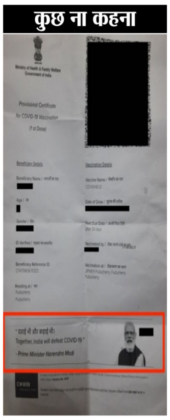
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India
[redacted]
Provisional Certificate for COVID-19 Vaccination (1st Dose)
Beneficiary Details
Beneficiary Name / [redacted]
Age / [redacted]
Gender / [redacted]
ID Verified / [redacted]
Beneficiary Reference ID
Residing at / Puducherry Puducherry
Vaccination Details
Vaccine Name / COVISHIELD
Date of Dose / [redacted]
Next Due Date / After 28 days
Vaccinated by / [redacted]
Vaccination at / JIPMER Puducherry, Puducherry Puducherry
"दवाई भी और कड़ाई भी।
Together, India will defeat COVID-19"
- Prime Minister Narendra Modi
[redacted]
CoWIN

भारत तीसरी बार बना टी20 विश्वकप चैंपियन, लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाली इकलौती टीम

हम चैंपियन थे, चैंपियन हैं...

नई दिल्ली। संजू सैमसन (89), ईशान किशन (54) और अभिषेक शर्मा (52) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही टीम इंडिया बैक टू बैक ट्रॉफी जीतने वाली और बतौर होस्ट टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन गई है।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 2-2 बार टी20 विश्व कप जीता है। इतना ही नहीं भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम का इतिहास भी पलट दिया है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इसी मैदान पर शिकस्त दी थी।

मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए थे। जवाब में कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाया। कप्तान सेंटनर ने 43 रन की पारी खेली।

धीमी शुरुआत के बाद बरसे ओपनर

तमाम आलोचनाओं के बाद भी भारत की ओर से अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी मैदान पर आई। पहले ओवर में संजू ने संभलकर बल्लेबाजी की और आखिरी गेंद पर सिक्स लगाया। दूसरे ओवर में अभिषेक ने कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई। हालांकि, इसके बाद दोनों ने कीवी गेंदबाजों का आड़े हाथों लिया। इस जोड़ी ने चौकों-छक्कों से अपनी पारी को बुनना शुरू किया।

पावरप्ले में जड़ दिए 92 रन

तीसरे ओवर में अभिषेक ने 2 चौके लगाकर लय प्राप्त की। चौथे ओवर में उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया। 6 ओवर में भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए 92 रन जड़ दिए। 98 के स्कोर पर भारत को पहला झटका लगा। 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा 52 के स्कोर पर आउट हुए। 3 नंबर पर उतरे ईशान किशन पवेलियन से ही सेट होकर आए। भारतीय टीम ने 7.2 ओवर में अपना शतक पूरा किया।

16वें ओवर में लगे 3 झटके

16वां ओवर भारतीय टीम के लिए खराब साबित हुए और कीवी टीम ने मैच में वापसी की। संजू के बाद जेम्स नीशम ने 5वीं गेंद पर सेट बल?लेबाजी ईशान किशन को पवेयिलन भेजा। ईशान ने 25 गेंदों पर 54 रन ठोके। टी20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार किसी टीम की पारी में टॉप तीन बल्लेबाजों ने 50 रन का आंकड़ा पार किया है।

संजू ने लगाई फिफ्टी की हैट्रिक

संजू सैमसन ने ईशान किशन के साथ मिलकर रन गति रुकने नहीं दी। 33 गेंदों पर संजू ने अपना अर्धशतक पूरा किया। सुपर-8 में वेस्टइंडीज (97*), सेमीफाइनल में इंग्लैंड (89*) और फाइनल में कीवी टीम के खिलाफ उन्होंने फिफ्टी लगाई।

अर्धशतक लगाने के बाद संजू और खतरनाक नजर आए और उन्होंने सिक्स में डील शुरू कर दी। 14वें ओवर की आखिरी 3 गेंदों पर संजू ने 3 हवाई फायर किए। 15 ओवर में ही भारत का स्कोर 203 रन हो गया था। इसके बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। 16वें ओवर की पहली गेंद पर संजू कैच आउट हुए।

शतक से चूके संजू

जेम्स नीशम की ऑफ स्टंप के बाहर फुलटॉस गेंद पर संजू ने आगे बढ़कर शॉट खेलने की कोशिश की। टाइमिंग सही नहीं थी ऐसे में लॉन्ग-ऑन पर खड़े सब्स्टीट्यूट कोल मैककॉन्ची ने संजू का कैच लिया। वह शतक से चूक गए। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है और पहले ही दिन लोकसभा में जोरदार हंगामे के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा कराने जा रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कांग्रेस के सांसदों को लेकर कुछ गलत दावे भी किए। इसी वजह से कई विपक्षी दलों के नेताओं ने उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया है। नियमों के अनुसार, प्रस्ताव दिए जाने के बाद ओम बिरला ने खुद को कार्यवाही से अलग कर लिया है और कहा गया है कि प्रस्ताव पर फैसला होने के बाद ही वह फिर से सदन की कार्यवाही संभालेंगे।

हालांकि संख्या बल के लिहाज से सरकार मजबूत स्थिति में है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास लोकसभा में बहुमत है, इसलिए माना जा रहा है कि यह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओम बिरला के समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि उन्होंने हमेशा संविधान और संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुसार काम किया है।

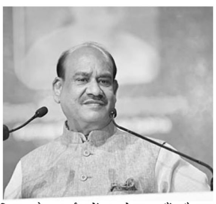

इन-इन मुद्दों के जोरदार तरीके से उठने की संभावना

सत्र के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए हमलों के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है और कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। विपक्ष इस मामले में सरकार की विदेश नीति और रूस से तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा दिए गए छूट को लेकर सवाल उठा सकता है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष संशोधन में करीब 60 लाख नाम हटाए जाने का मुद्दा भी संसद में गरमा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस मामले को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। वहीं भाजपा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के मुद्दे को उठा सकती है।

सत्र में विधेयकों को पास कराने पर सरकार का रहेगा फोकस

सरकार इस सत्र में बिजली संशोधन विधेयक समेत कई लंबित विधेयकों को भी पास कराने की कोशिश करेगी। वहीं सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही की शुरुआत शिलांग से सांसद रहे रिक्की सिंगकोन के निधन पर श्रद्धांजलि के साथ हो सकती है, जिसके कारण प्रश्नकाल स्थगित होने की भी संभावना है।

जदयू में शामिल हुए निशांत कुमार

संजय झा ने दिलाई सदस्यता; समर्थन में नारे लगा रहे कार्यकर्ता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जनता दल यूनाईटेड में शामिल हो चुके हैं। वीर चंद्र पटेल रोड स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में हजारों कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। जदयू में शामिल होने के बाद निशांत ने कहा कि मैं जदयू के कार्यकर्ता, नेता और बिहार की जनता को नमन करता हूं। मैं आज से पार्टी का सदस्य बन चुका हूं। एक कार्यकर्ता के रूप में मैं सेवा करता रहूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने की घोषणा की है। यह उनका निजी फैसला है। मैं इस फैसले का आदर करता हूं और इसे स्वीकार करता हूं।

निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिता ने बिहार की जनता के लिए जो काम किया है, उसे मैं जनता तक बढ़ाने का काम करूंगा। आप सब ने जो विश्वास किया, उस पर खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। जनता के हृदय में खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने जनता के लिए जो किया, वह सबको याद रहेगा। जनता को मेरे पिता पर गर्व है। वह अपना जीवन बिहार के लिए समर्पित कर दिया। आज से मैं राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर रहा हूं। अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है। इसके लिए मुझे जनता का आशीर्वाद चाहिए। मैं आप सभी को नमन करता हूं।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को किया नमन

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने जदयू के वरिष्ठ नेताओं के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। इसके बाद कार्यकर्तओं का धन्यवाद किया। इधर, जदयू दफ्तर में सुबह से राज्य के सभी जिलों से वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। कई कार्यकर्ता घोड़ा और हाथी लेकर पहुंचे। सीएम नीतीश कुमार और निशांत के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज हमलोगों के बहुत बड़ा दिन है। निशांत पार्टी में शामिल हुए इससे हमलोगों में काफी खुशी है। वह भी इंजीनियर हैं। नीतीश कुमार की तरह ही वह भी बिहार के विकास का काम करेंगे। इधर, जदयू कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखते हुए जदयू कार्यालय में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। समर्थकों में उत्साह है।

निशांत ने पूरे बिहार का दौरा करने का फैसला किया

जदयू के वरिष्ठ नेता और एमएलसी नीरज कुमार ने बताया कि आज पार्टी के लिए बड़ा दिन है। निशांत कुमार पार्टी में शामिल हो चुके हैं। सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने पूरे बिहार का दौरा करने का फैसला किया है और वह जल्द ही संगठन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। निशांत कुमार की जदयू में एंट्री का सभी विधायकों, सांसदों और विधान परिषद् सदस्यों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निशांत का राजनीति में शामिल होना, मास्टर स्ट्रोक है। इससे कितने लोग परेशान हो जाएंगे? यह आने वाला समय बताएगा। पार्टी सूत्रों की मानें तो निशांत कुमार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमलोग चाहते हैं निशांत ही बिहार के मुख्यमंत्री बनें। नीतीश कुमार के बाद वह अच्छे तरीके से राज्य संभाल सकते हैं।

हाईकोर्ट ने दिया विशाखापट्टनम पोर्ट पर खड़े विदेशी जहाज को गिरफ्तार करने का आदेश

-जहाज मालिक ने मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट के तहत देय रकम का नहीं किया भुगतान

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने विशाखापट्टनम पोर्ट पर खड़े विदेशी बल्क कैरियर एमवी पोलर स्टार को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई लातवियाई शिप मैनेजमेंट कंपनी द्वारा जहाज मालिकों के खिलाफ बकाया भुगतान के विवाद के चलते हुई। कंपनी का दावा है कि जहाज मालिक ने मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट के तहत देय रकम का भुगतान नहीं किया, जो करीब 8.33 लाख डॉलर 7.6 करोड़ रुपए से ज्यादा है। कोर्ट ने एडमिरल्टी जूरिस्डिक्शन का इस्तेमाल करते हुए जहाज को तब तक डिटेन रखने का निर्देश दिया जब तक मालिक दावा राशि जमा या स्वीकार्य सिक्योरिटी पेश नहीं करते।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री कानून के मुताबिक जहाज की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं कि जहाज को जब्त कर लिया गया है, बल्कि उसे बंदरगाह से बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी जाती है। यह कदम विवादित राशि की वसूली के लिए उठाया जाता है। जहाजों का ऑपरेशन महंगे और दैनिक रूप से लाखों डॉलर का होता है, इसलिए डिटेंशन मालिकों पर वित्तीय दबाव डालता है। इस मामले में कोर्ट ने साफ किया कि जहाज का पूरा ढांचा, इंजन, मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर, ईंधन और अन्य तकनीकी सामान अरेस्ट के दायरे में होंगे, हालांकि कार्गो की लोडिंग और अनलोडिंग जारी रह सकती है।

विदेशी जहाज पर भारत का कानून कैसे लागू होता है, यह समुद्री कानून के सिद्धांतों के तहत समझा जा सकता है। जब कोई विदेशी जहाज किसी देश के पोर्ट या सीमा में प्रवेश करता है, तो वह अस्थायी रूप से उस देश के कानून के अधीन हो जाता है। इसके तहत जहाज पर मौजूद लोग स्थानीय नियमों का पालन करने के लिए बाध्य होते हैं और यदि जहाज से संबंधित कोई विवाद होता है तो स्थानीय कोर्ट कार्रवाई कर सकती है। एमवी पोलर स्टार के विशाखापत्तनम पोर्ट पहुंचते ही यह जहाज भारत के कानून के दायरे में आ गया। इस विवाद की शुरुआत एक शिप मैनेजमेंट एग्रीमेंट से हुई।

अजित पवार विमान हादसा मामला .

रोहित पवार ने प्रफुल्ल पटेल को दी चुनौती

मुंबई। मुंबई में एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने एक बार फिर कथित विमान दुर्घटना में हुई अजित पवार की मौत को लेकर सवाल उठाए हैं। इस बार उन्होंने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को खुली चुनौती देते हुए पूरे मामले पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने को कहा है।

रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि प्रफुल्ल पटेल को लोगों को बताना चाहिए कि वह स्वार्थी हैं या फिर अजित दादा के सच्चे समर्थक। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस निजी कंपनी के विमान हादसे में अजित पवार की मौत हुई, उसके मालिक के परिवार के कार्यक्रम में प्रफुल्ल पटेल शामिल हुए थे। पोस्ट में रोहित पवार ने लिखा

कि वीएसआर कंपनी के मालिक वी.के. सिंह के बेटे रोहित सिंह के राजस्थान में हुए विवाह समारोह में प्रफुल्ल पटेल शामिल हुए थे या नहीं, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वे वहां गए थे, तो उस समारोह में कौन-कौन से नेता मौजूद थे और वे किस राजनीतिक दल से जुड़े थे, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

रोहित पवार इससे पहले भी इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर चुके हैं। उनका कहना है कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि विमान के पायलट पर किसी प्रकार का दबाव था या नहीं। उन्होंने हादसे में शामिल विमान के मालिकाना हक रखने वाली निजी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की थी।

डिजिटल फ्रॉड होने पर आरबीआई देगा मुआवज़ा

मुंबई। डिजिटल ट्रांज़ैक्शन में बढ़ती फ्रॉड की घटनाओं को देखते हुए, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आरबीआई) ने ग्राहकों के संरक्षण को मज़बूत करने के लिए एक नया ड्राफ़्ट प्लान जारी किया है। 'डिजिटल ट्रांज़ैक्शन में ग्राहकों की ज़िम्मेदारी' नाम के इस ड्राफ़्ट के मुताबिक, डिजिटल फ्रॉड होने पर ग्राहकों को अब 25,000 रुपये तक का मुआवज़ा दिया जाएगा। प्रस्तावित नियमों का मकसद ग्राहकों का भरोसा बढ़ाना, शिकायतों के निपटारे में तेज़ी लाना और डिजिटल पेमेंट सिस्टम को ज़्यादा सुरक्षित बनाना है। प्लान के मुताबिक, अगर कोई ग्राहक डिजिटल फ्रॉड में फंस जाता है और समय पर बैंक या संबंधित संस्था को इसकी जानकारी देता है, तो उसे हुए नुकसान का 85 प्रतिशत या ज़्यादा से ज़्यादा 25,000 रुपये का मुआवज़ा मिल सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के साथ 10,000 रुपये की धोखाधड़ी होती है, तो उसे 85 प्रतिशत के तौर पर 8,500 रुपये वापस मिल सकते हैं। इसी तरह, अगर 40,000 रुपये की धोखाधड़ी होती है तो इसका 85 फीसदी रकम 34,000 रुपये होगी, लेकिन चूंकि प्रस्तावित अधिकतम सीमा 25,000 रुपये है, इसलिए उपभोक्ता को सिर्फ 25,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा। यह योजना मुख्य रूप से 50,000 रुपये तक की धोखाधड़ी के मामलों के लिए लागू करने का प्रस्ताव है। रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नियम 2017 में बनाए गए थे। पिछले सात-आठ सालों में डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई ट्रांजैक्शन और ऑनलाइन पेमेंट के तरीकों में बड़े बदलाव हुए हैं। इसके साथ ही धोखाधड़ी के नए तरीके भी बढ़े हैं। इसलिए पुराने नियमों का दायरा बढ़ाकर इसमें सभी तरह की इलेक्ट्रॉनिक धोखाधड़ी को शामिल करने की जरूरत है। इस मसौदे का एक और अहम मकसद बैंकों द्वारा शिकायतों के निपटारे में लगने वाले समय को कम करना है। अक्सर ठगी का शिकार होने के बाद ग्राहकों को अपना पैसा वापस पाने के लिए कई महीनों तक इंतजार करना पड़ता है। इसलिए रिजर्व बैंक का मानना ??है कि भविष्य में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और ग्राहकों को समय रहते राहत देनी चाहिए। यह ड्राफ़्ट अभी सार्वजनिक चर्चा के लिए खुला है और बैंकों, वित्तीय संस्थान और आम जनता को इस पर अपने विचार और सुझाव देने का मौका दिया गया है। जो लोग इसमें इंटरेस्टेड हैं, वे 6 अप्रैल, 2026 तक ई-मेल से अपने सुझाव भेज सकते हैं। मिले फ़ीडबैक के आधार पर फ़ाइनल नियम तैयार किए जाएँगे और इसे लागू करने का फ़ैसला लिया जाएगा।

ट्रक और कार के बीच हुई जबरदस्त भिड़ंत

टला बड़ा हादसा, बांस से लदा ट्रक पलटा ,तो कार हुई क्षतिग्रस्त,सभी सुरक्षित,घायल कोई नही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बहेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा के टिमकीटोला समीप भिलाई रोड मार्ग पर रविवार सुबह लगभग 11 बजे एक भीषण सड़क हादसा होते-होते टल गया।जहा लांजी से छत्तीसगढ़ की ओर जा रही एक कार और सामने से आ रहे बांस से भरे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बांस से लदा ट्रक सड़क पर ही पलट गया, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।सौभाग्य से इस दुर्घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। हादसे में सभी सुरक्षित बताए गए है।

हादसे के बाद मचा हड़कंप, यातायात हुआ प्रभावित

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार क्रमांक सीजी 04 क्यूआर 8584 लांजी से छत्तीसगढ़ की ओर जा रही थी, वहीं बांस से भरा ट्रक क्रमांक सीजी 08 बी 1697 छत्तीसगढ़ की ओर से लांजी की दिशा में आ रहा था। टिमकीटोला के आगे भिलाई रोड पर दोनों वाहनों के बीच अचानक जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि कार में एक दंपत्ति और उनके दो छोटे बच्चे सवार थे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंच गए और कार में सवार लोगों को बाहर निकालकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, वहीं सड़क पर पलटे ट्रक के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ।

मामले की जांच में जुटी बहेला पुलिस

उधर इस घटना की सूचना मिलते ही बहेला थाना से एसआई श्री नर्रे अपने पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू करने के साथ ही घटना की जानकारी एकत्र की जा रही है।वही पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उक्त सड़क हादसे में घायल जानकारी मिलने तक अस्पताल नहीं पहुंचे थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नहीं मिला मानदेय

आर्थिक संकट से जूझ रहीं कार्यकर्ता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को इस माह अब तक मानदेय नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आमतौर पर हर माह की 5 तारीख तक मानदेय का भुगतान हो जाता था। लेकिन इस बार मार्च माह की शुरुआत के बाद भी भुगतान नहीं होने से कार्यकर्ताओं में चिंता और असंतोष का माहौल बना हुआ है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि मानदेय ही उनकी आय का मुख्य साधन है। जिससे वे अपने परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करती हैं। समय पर भुगतान नहीं होने से घरेलू खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। स्थिति यह रही कि होली जैसे बड़े त्योहार के समय भी उन्हें मानदेय नहीं मिल सका,जिसके कारण कई कार्यकर्ताओं को आर्थिक तंगी के बीच त्योहार मनाना पड़ा।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि मार्च माह में कई परिवारों में विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रम भी होते हैं। ऐसे समय में मानदेय नहीं मिलने से उन्हें अतिरिक्त आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कई कार्यकर्ताओं ने बताया कि दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी जरूरतों के लिए उन्हें उधार तक लेना पड़ रहा है।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि हर माह की तरह इस बार भी उन्हें उम्मीद थी कि समय पर मानदेय मिल जाएगा।लेकिन अब तक भुगतान की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। इससे कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

शीघ्र भुगतान की मांग

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि लंबित मानदेय का जल्द से जल्द भुगतान किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे लगातार बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।इसलिए उनके मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।अब देखना होगा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की इस मांग पर शासन और प्रशासन कब तक निर्णय लेकर उन्हें राहत देता है।

आईएएस बनने के साथ ही अमनदीप कर लेंगे शादी, चौथे प्रयास में पास की यूपीएससी, घर में मना जश्न

सोनीपत। देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में गिनी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में हर साल लाखों युवा किस्मत आजमाते हैं, लेकिन सफलता कुछ ही लोगों को मिलती है। हरियाणा के सोनीपत निवासी अमनदीप ने भी एक ऐसा ही सपना देखा था और उसके साथ एक जिद भी जोड़ ली थी—शादी तभी करूंगा, जब आईएएस बन जाऊंगा। अब उनका यह सपना और जिद दोनों सच हो गए हैं।

अमनदीप ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 731वीं रैंक हासिल कर सफलता प्राप्त की है। खास बात यह है कि उन्होंने यह उपलब्धि अपने चौथे प्रयास में हासिल की है। परिणाम घोषित होते ही उनके परिवार और पूरे इलाके में खुशी का माहौल बन गया। सोनीपत स्थित उनके घर पर ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया और रिश्तेदारों व पड़ोसियों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमनदीप की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ उनके स्वर्गीय दादा सुल्तान सिंह का सपना भी जुड़ा हुआ था।

अमनदीप बताते हैं कि उनके दादा हमेशा चाहते थे कि उनका पोता एक दिन बड़ा अफसर बने और देश की सेवा करे। उन्होंने कहा कि अगर दादा आज जीवित होते तो उनकी इस उपलब्धि पर सबसे ज्यादा खुश होते। अमनदीप ने बताया कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन और निरंतर मेहनत बेहद जरूरी होती है। तैयारी के दौरान वह रोजाना लगभग 13 से 14 घंटे तक पढ़ाई करते थे। इस दौरान उन्हें कई बार असफलता का सामना भी करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। हर असफलता से सीख लेकर अपनी रणनीति में सुधार किया और अंततः चौथे प्रयास में सफलता हासिल की।

उनकी सफलता की एक खास बात यह भी है कि उन्होंने नौकरी के साथ-साथ अपनी तैयारी जारी रखी। वर्तमान में अमनदीप अरुणाचल प्रदेश में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) में वर्कशॉप ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। व्यस्त नौकरी के बावजूद उन्होंने समय का बेहतर प्रबंधन करते हुए पढ़ाई जारी रखी और अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बैहर में स्कूटर रैली

तीन दिवसीय महिला उत्सव का शुभारंभ, संगठित होकर सशक्त बनने का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बैहर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बैहर स्थित खेर माता मंदिर प्रांगण में महिला एवं बाल दिवस के तहत विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और महिला उत्थान संगठनों की बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में महिलाओं के सशक्तिकरण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन दिवसीय उत्सव मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के उत्थान, स्वावलंबन और सामाजिक विकास के लिए उनका संगठित होना बेहद आवश्यक है। साथ ही यह भी कहा गया कि समाज में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार और अन्य समस्याओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए रैलियों, सभाओं और जनसंपर्क के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

गुलाबी वेशभूषा में निकली स्कूटर रैली

कार्यक्रम के पहले दिन महिलाओं द्वारा उत्साहपूर्वक स्कूटर रैली निकाली गई। रैली में शामिल महिलाओं ने गुलाबी वेशभूषा धारण की और पगड़ी-साफा बांधकर महिला एकता और सशक्तिकरण का संदेश दिया। रैली खेर माता मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक, जोड़ा मंदिर और साई मंदिर होते हुए एसडीएम कार्यालय तथा बस्ती रोड मार्ग से वापस खेर माता मंदिर प्रांगण पहुंची। रैली के दौरान महिलाओं ने समाज में नारी शक्ति के महत्व और एकता का संदेश दिया।

इन महिलाओं ने किया नेतृत्व

स्कूटर रैली का नेतृत्व श्रीमती अनुपमा नेताम, श्रीमती रेखा भगत, श्रीमती संध्या परते, कुमारी कीर्ति शुक्ला, पार्षद सुरपतिया यादव तथा नगर परिषद बैहर की अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही महिला उत्सव के प्रथम दिन का कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। बताया गया कि आगामी दो दिनों में भी महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वावलंबन और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यह महोत्सव प्रभु श्याम हारे का सहारा के महान बलिदान को याद करते है -प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। करने वाला श्याम कराने वाला श्याम टीम के प्राचीन श्रीराम मंदिर में गत रात्रि अयोजित रँगपंचमी चतुर्थ वार्षिक उत्सव में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने हाजिरी लगाकर खाटू श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। दूसरी ओर देर रात्रि तक इस भजन संध्या में भक्तों ने भजनों की गंगा में डुबकी भी लगायी। दरबार में हाजिरी लगाने के लिये महानगरो से भी भक्तो का आगमन कार्यक्रम की सफलता में हिस्सेदारी करता नजर आया। तीन बाण धारी के दरबार में भव्य श्रंगार,५६ भोग,सवामणी,फूलो की होली,श्याम रसोई,दिव्य दरबार,पावन ज्योति व इत्र वर्षा की सराहना करते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार श्याम बाबा के प्रति उनके पूरे परिवार की अटूट आस्था है। प्रसिद्ध भजन गायक हर्ष शर्मा व सोनाली नागेश्वर एंड टीम के भजनों की सराहना करते हुये कहा की यह महोत्सव प्रभु श्याम हारे का सहारा के महान बलिदान को याद करते हुये भक्तों में आध्यात्मिक ऊर्जा,प्रेम,भाईचारा और निस्वार्थ सेवा का भाव जगाता है। इसी तरह रंगपंचमी के इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक हर्ष शर्मा नागपुर और सोनाली नागेश्वर बालाघाट के भजनों पर भक्तो को झूमते हुये भी देखा गया। भक्तो ने भावविभोर होकर बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर अपनी मनोकामनायें तक शीश के दानी के समक्ष रखी। फूलों

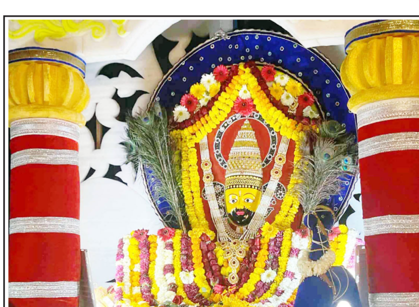

की होली और इत्र वर्षा ने माहौल को दिव्य बनाने का कार्य किया। छप्पन भोग और भव्य श्रृंगार के साथ हुई महाआरती ने भक्ति और सेवा का संगम का परिचय करा दिया। साथ ही आयोजन के दौरान श्याम रसोई के माध्यम से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भोजनरूपी प्रसादी ग्रहण किया। इस दौरान वैभव कश्यप , ललित पारधी, सत्यनारायण अग्रवाल, यज्ञेश लालु चावड़ा, सुनील रंगलानी, रविंद्र श्रीवास्तव, विवेक दीक्षित,रमेश पटले, योगेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मप्र भाजपा के संगठन महामंत्री के नाम पर लगेगी मुहर!

भोपाल। मप्र के नेता इन दिनों राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच प्रदेश भाजपा के नेताओं की नजरें इन दिनों हरियाणा के समालखा में होने जा रही अहम बैठक पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक में मप्र भाजपा के नए संगठन महामंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। इस संबंध में शीर्ष स्तर पर मंथन जारी है। प्रदेश भाजपा में संगठन महामंत्री का पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्तमान संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा को हाल ही में प्रदेश का सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख बनाए जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया है। इसके चलते नए नाम को लेकर अटकलें तेज हैं। जानकारी के मुताबिक 13, 14 और 15 मार्च को हरियाणा के समालखा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में संघ प्रमुख सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी बैठक में शामिल हो सकते हैं। माना जा रहा है कि इसी बैठक में मध्य प्रदेश के संगठन महामंत्री के नाम पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि इस बार रणनीति में बदलाव संभव है। अब तक परंपरा रही है कि संघ अपने किसी प्रचारक को भाजपा में संगठन महामंत्री के रूप में नियुक्त करता रहा है। हालांकि, इस बार संघ किसी अनुषांगिक संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी को भी यह जिम्मेदारी दे सकता है। यदि ऐसा होता है तो इसे संगठनात्मक परंपरा में बड़े बदलाव के रूप में देखा जाएगा। संगठन महामंत्री का पद भाजपा में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। यह पद संगठन और सरकार के बीच समन्वय की केंद्रीय कड़ी के रूप में कार्य करता है। ऐसे में आने वाला फैसला प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण असर डाल सकता है।

मप्र भाजपा को 15 मार्च के बाद नया संगठन महामंत्री मिल जाएगा। हितानंद शर्मा की संघ में वापसी के बाद यह पद खाली है। इससे भाजपा के कई महत्वपूर्ण काम भी प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि संघ की वार्षिक बैठक में भाजपा का नया संगठन महामंत्री मिल जाएगा। गौरतलब है कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 13 से 15 मार्च तक हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा में आयोजित होगी। संघ के शताब्दी वर्ष के आयोजनों को लेकर यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी सह-सरकार्यवाहों सहित संघ के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। हालांकि संघ की छोटी टोली की तैयारी 9 मार्च से ही प्रारंभ हो जाएंगी। बैठक में शताब्दी वर्ष की कार्यक्रमों की समीक्षा होंगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक हर साल मार्च होती है। भाजपा में संगठन महामंत्री का पद सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। प्राय: संघ के ही किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को यह अहम दायित्व दिया जाता है। ऐसे में प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा का दायित्व बदलकर उन्हें मध्यक्षेत्र का सह-बौद्धिक प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रकार संघ ने उन्हें मूल केडर में वापस बुला लिया है। बताया जा रहा है कि संगठन ने नई रणनीति के अंतर्गत हितानंद शर्मा की जिम्मेदारी बदलने का निर्णय लिया है। 2020 में उन्हें प्रदेश सह-संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी। दो साल बाद ही हितानंद शर्मा को प्रदेश संगठन महामंत्री बना दिया गया था। अब भाजपा के नए संगठन महामंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो गई है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 09 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज़
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बालाघाट में शेष 16 मदिरा समूहों के निष्पादन हेतु ई-टेंडर आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बालाघाट जिले में प्रथम चरण (बैच-1, बैच-2 एवं बैच-3) के बाद निष्पादन से शेष रही मदिरा दुकानों के लिए द्वितीय चरण में ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह प्रक्रिया सर्वसाधारण की जानकारी एवं मदिरा दुकानों की फुटकर बिक्री के ठेकेदारों की सुविधा के लिए आयोजित की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में प्रथम चरण के बाद शेष रहे 16 एकल मदिरा समूहों की 65 कम्पोजिट मदिरा दुकानों का निष्पादन यथास्थिति समान स्वरूप समूहों में ई-टेंडर के माध्यम से किया जाएगा। यह निष्पादन 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए किया जाएगा। ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन टेंडर प्रपत्र डाउनलोड एवं ऑफर सबमिट करने की अंतिम तिथि 08 मार्च 2026 को प्रात: 10 बजे से 10 मार्च 2026 को दोपहर 4 बजे तक निर्धारित की गई है। इसके बाद 10 मार्च 2026 को दोपहर 4ः05 बजे से ई-टेंडर कम ऑक्शन के प्रपत्र खोले जाएंगे। ई-टेंडर कम ऑक्शन की प्रक्रिया 10 मार्च 2026 को शाम 5ः30 बजे से 6ः50 बजे तक आयोजित की जाएगी। यदि इस दौरान 15 मिनट के अंतराल में नई बोली प्राप्त होती है तो ऑक्शन की समयावधि में आगामी 15 मिनट की वृद्धि की जाएगी। संबंधित समूहों के ऑक्शन समाप्त होने अथवा 10 मार्च 2026 को शाम 6 बजे (जो भी बाद में हो) ई-टेंडर खोले जाएंगे। इसके पश्चात जिला समिति द्वारा ई-टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने तक निराकरण किया जाएगा। मदिरा दुकानों के निष्पादन की यह पूरी प्रक्रिया नवीन कलेक्टोरेट परिसर, बालाघाट में संपन्न की जाएगी। प्रशासन ने इच्छुक ठेकेदारों से निर्धारित समयावधि में ई-टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। वर्ष 2026-27 के लिये ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) द्वारा निष्पादित किये जाने वाले 16 एकल मदिरा समूहों की सूची, उनका आरक्षित मूल्य, ई-टेण्डर के साथ जमा की जाने वाली धरोहर राशि, नियमों तथा शर्तों एवं निर्बधनों, डयूटी की दर तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम 9 माह में देशी, विदेशी मदिरा स्प्रिट एवं बीयर की दुकानवार खपत आदि की जानकारी जिला आबकारी कार्यालय जिला बालाघाट से किसी भी दिन (अवकाश के दिन सहित) कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती है। कोई भी सामान्य व्यक्ति ई-टेण्डर के माध्यम से निष्पादित होने वाली मदिरा दुकानों के एकल समूहों के संबंध में आवश्यक जानकारी ई-टेण्डर सुविधा प्रदाता NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) के होमपेज पर लाईव टेण्डर के ऑप्शन के अंतर्गत आबकारी विभाग का चयन कर एडवांस सर्च के माध्यम से जिले को सिलेक्ट कर प्राप्त कर सकेगा। मदिरा दुकानों के निष्पादन हेतु ई-टेण्डर की कार्यवाही मे जो व्यक्ति/फर्म/एल.एल.पी / कम्पनी / कन्सॉर्टियम एक या एक से अधिक अथवा सभी मदिरा दुकानों/एकल समूहो के लिये अलग-अलग ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) की प्रक्रिया में भाग ले सकेगें। उक्त प्रक्रिया में भाग लेने हेतु बिडर को ई-आबकारी पोर्टल (https://eaabkari.mp.gov.in) के कन्ट्रेक्टर रजिस्टेशन मॉडयूल में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

यूजीसी विधेयक का विरोध कर काले कानून को वापस लेने की करी मांग

हाथों में काली पट्टी बांधकर ब्राह्मण एकता परिषद ने किया धरना प्रदर्शन

सड़क पर उतरकर आंदोलन व तख्तापलट की भी दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रस्तावित यूजीसी विधेयक का स्वर्ण समाज द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है।जिनका यह विरोध नगर में भी आए दिनों देखने को मिल रहा है।इसी कड़ी में अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद, बालाघाट के पदाधिकारियों एवं समाजजनों द्वारा यूजीसी कानून के विरोध में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया।रविवार 8 मार्च को नगर के काली पुतली चौक पर प्रदर्शन के दौरान उपस्थित लोगों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर सरकार के प्रति असंतोष जताया और यूजीसी विधेयक को वापस लेने की मांग की।

जनभावनाओं का सम्मान करें सरकार

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता काली पुतली चौक पर एकत्रित हुए, जहां शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित यूजीसी बिल को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में चिंता व्याप्त है और इस विषय पर सरकार को व्यापक विचार-विमर्श कर निर्णय लेना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के दौरान परिषद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाजजन मौजूद रहे। सभी ने हाथों में काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक रूप से अपना विरोध जताया और शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम को संपन्न किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस विधेयक को वापस ले।जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर स?को पर उतरकर आन्दोलन करने के साथ साथ आगामी चुनावों में सरकार का तख्तापलट किए जाने की भी चेतावनी दी है।

हमारे वोट से सरकार बनती है और हमारे खिलाफ ही कानून लाती है

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के पूर्व जिला अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर देशभर में यूजीसी बिल के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बालाघाट में भी परिषद और सकल समाज के सहयोग से यह शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में भी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और उसी के समर्थन में जिले में भी यह कार्यक्रम रखा गया है।उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी जाति विशेष के विरोध में नहीं है, बल्कि केवल यूजीसी विधेयक को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि सरकार बनाने के लिए ब्राह्मण समाज भर भर कर वोट देता है हमारे वोट से ही सरकार बनी है और हमारे ही खिलाफ ऐसे कानून लाए जा रहे हैं इसका हम विरोध करते हैं।यदि ऐसा ही चलता रहा और कानून वापस नहीं हुआ तो हम आगामी चुनाव में अपने वोट की ताकत से सरकार का तख्तापलट भी कर सकते हैं हमारी सिर्फ एक ही मांग है यूजीसी कानून को वापस लिया जाए और इसी को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।यदि सरकार इस बिल को वापस नहीं लेती है तो भविष्य में सड़को पर उतरकर बड़े स्तर पर आंदोलन किए जाएंगे।

तो सड़क पर उतरकर करेंगे बड़े आंदोलन-सरला दुबे

आयोजित कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद महिला प्रकोष्ठ की संभागीय अध्यक्ष सरला दुबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यूजीसी विधेयक पर पुनर्विचार करे। उन्होंने आगे बताया कि यहां कानून हमारे बच्चों के लिए घातक साबित होगा उनके भविष्य को बचाने के लिए हम यहां विरोध प्रदर्शन कर धरना दे रहे हैं ताकि सरकार इस काले कानून को रद्द कर दे अगर ऐसा नहीं होता तो फिर सड़क पर उतरकर बड़े आंदोलन किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम अजीत जोगी के सुपुत्र अमित जोगी का हुआ बालाघाट आगमन

रोजा इफ्तार कार्यक्रम में हुए शामिल, शहर में कई स्थानों पर हुआ स्वागत, पत्रकारों से चर्चा कर भाजपा पर साधा निशाना, धर्म जाती के आधार पर बॉटने का लगाया आरोप, ईवीएम पर भी उठाए सवाल, विपक्षी दलों को एक प्लेटफॉर्म पर आने को कहा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल होने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के सुपुत्र और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी रविवार 8 मार्च को बालाघाट पहुंचे। रायपुर से सड़क मार्ग से आए अमित जोगी का जिले में प्रवेश के बाद विभिन्न स्थानों पर समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।बालाघाट आगमन के दौरान सरेखा रेलवे ओवरब्रिज, हनुमान चौक और आंबेडकर चौक सहित कई स्थानों पर उनके स्वागत का आयोजन किया गया। स्वागत के बाद वे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

धर्म जाती के आधार पर बाट रही भाजपा

नगर के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए अमित जोगी ने बताया कि वर्तमान समय में देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा धर्म और जाति के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए गैर-भाजपाई दलों को एकजुट होकर मुकाबला करना चाहिए।

बैलेट पेपर से नही हुआ मतदान, तो करेंगे चुनाव का बहिष्कार

आयोजित पत्रकावार्ता के दौरान उन्होंने चुनाव प्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए है ।ईवीएम पर निशाना साधते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में ईवीएम के माध्यम से होने वाले चुनावों को लेकर कई प्रकार की शंकाएं सामने आती रही हैं। चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी ने चुनाव सुधारों को लेकर चार प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें बैलेट पेपर से मतदान कराना भी शामिल है। यदि इन मांगों पर विचार नहीं किया जाता है तो पार्टी चुनाव बहिष्कार जैसे कदम पर भी विचार कर सकती है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर अन्य दलों के नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी चर्चा की जा रही है।

रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल होकर दिया कौमी एकता का संदेश

सर्किट हाउस में चर्चा के बाद अमित जोगी नगर के भटेरा रोड़ स्थित एक होटल पहुंचे, जहां माहे रमजान के अवसर पर आयोजित रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद अमित जोगी ब्रम्हनी स्थित फार्म हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समर्थकों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।होटल में आयोजित इफ्तार पार्टी के दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वर, रहीम खान, महेश सहारे, उम्मेद लिल्हारे सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश मे अमनो अमान की दुवाएं मांगी गई है- रहीम

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान रहीम खान ने बताया कि पवित्र माह रमजान के अवसर पर कौमी एकता, देश और शहर में अमन-चैन की दुआ के लिए रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया था, जिसमें अमित जोगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी दिया।देश मे अमनो अमान की दुवाएं मांगी गई है।उन्होंने आगे बताया कि बालाघाट में रात्रि विश्राम कर श्री जोगी सोमवार 9 मार्च को रायपुर के लिए रवाना होंगे।

क्षत्रिय मराठा कलार समाज का

अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह

महिला संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रंगो का महापर्व होली संपन्न होने के बाद जिले में जगह-जगह होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।जहां विभिन्न समाज संगठन, सामाजिक और राजनीतिक संघ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन कर समाज संगठन में एकरूपता लाने और खुशियों के इस पर्व को साथ मिलकर मनाने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में रविवार 8 मार्च बुधवार को क्षत्रिय मराठा कलार समाज महिला संगठन द्वारा अंर्तराष्टीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।नगर के बूढ़ी रेलवे क्रासिंग समीप मंगल भवन में अंतराष्टीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए।कार्यक्रम का शुभारंभ ,कलार समाज के ईष्ट श्री राजराजेश्वर सहस्त्र बाहु जी का पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान क्षत्रिय मराठा कलार समाज जिलाध्यक्ष संजीव बाबा धुवारे के नेतृत्व में महिला समिति के सभी पदाधिकारी व महिला शक्तियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने एक दूसरे को अबीर व गुलाल का तिलक लगाकर रंग खेलकर होली पर्व की बधाईयां दी। वहीं होली के गीतों पर नृत्य कर भरपूर आनंद लिया।

पदाधिकारियो को मंचासिन करवाकर किया गया भव्य स्वागत

आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरुष वर्ग द्वारा भी एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर रंग पंचमी का त्योहार बहुत प्रेम से मनाया।वही होली व रंग पंचमी भी बधाइयां दी गई।वही कार्यक्रम के दौरान महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष सर्वश्री मती कौतिका पालेवार, अनिता धुवारे, ममता पिपलेवार व वर्तमान महिलाध्यक्ष दीपमाला धुवारे को मंचासिन करवाकर भव्य स्वागत किया गया।इसके बाद क्रमश सचिव सर्वश्रीमती स्वाति बिसेन, मंगला धुवारे, प्रमिला बिजेवार, हंसा डोहरे, चंचल पिपलेवार, योगीता डोहरे, दिशा धुवारे व अन्य सभी उपस्थित महिलाओं का भी स्वागत किया गया।आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरूष वर्ग में भैयालाल चौरावार, युवराज धुवारे, सुनील पालेवार, निलु पिपलेवार, दुर्गेश बिजेवार सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

समाजिक बन्धुओ को जोड़े रखने कार्यक्रम का किया गया आयोजन- दीपमाला

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान क्षत्रिय मराठा कलार समाज महिला संगठन अध्यक्ष दीपमाला धुवारे ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिला दिवस व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। रिर्कांडिंग गीतों पर नृत्य कर बहुत आनंद लिया गया। यह सभी कार्यक्रम समाजिक बन्धुओ को जोड़े रखने व समाज संगठन के उत्थान के लिए आयोजित किए जाते है।वही आयोजन के दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा कर आगामी समय मे भव्य रूप से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की भी रूप रेखा बनाई गया है।

पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा का होली मिलन समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रंगों के महापर्व होली व धुरेड़ी के बाद जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलो में रविवार 8 मार्च को जगह जगह रंग पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके तहत सामाजिक बन्धुओ द्वारा विशेष पूजा अर्चना के बाद जमकर रंग गुलाल उड़ाया गया तो वहीं सामाजिक बंधुओ को होली,व रंगपंचमी महोत्सव की बधाईयां दी गई। वही समाज संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। इसी कड़ी में रविवार 8 मार्च को रंग पंचमी के अवसर पर नगर के विभिन्न समाज संगठन द्वारा अलग-अलग स्थानों पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा बालाघाट द्वारा शाम 5 बजे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। वहीं कतिया समाज के द्वारा जयस्तंभ चौक समीप आम्बेडकर भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सामाजिक बन्धुओ ने एक दूसरे को रंग गुलाल का तिलक लगाकर होली रंग पर्व की बधाईयां दी। इस दौरान भगवान परशुराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर विशेष पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आक्रेस्ट्रा के कलाकारों द्वारा एक से बढकर एक होली के गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। होली के गीतों पर उपस्थितजनों ने नृत्य कर भरपूर आनंद लिया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती आरती शर्मा, जुगल शर्मा, सुंधाशु तिवारी, मकरंद अंधारे, संजय शुक्ला, राम मिश्रा, श्रीमती निर्मला त्रिपाठी, महावीर शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

वन समिति अध्यक्ष की मनमानी

बिना अनुमति कटवाये 16 नग बेशकीमती सागौन के पेड़, ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

ग्रामीणों ने वन समिति अध्यक्ष दिलीप बागड़े पर कार्यवाही करने की वन विभाग से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पाथरी के फोगलटोला के वारासिवनी वन परिक्षेत्र के कनकी सहायक परिक्षेत्र से वन अपराध का एक गंभीर मामला सामने आया है। पाथरी फोगलटोला वन समिति के अध्यक्ष दिलीप बागड़े पर ग्रामीणों ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए बिना वन विभाग की अनुमति लिए फोगलटोला स्थित उपवन से 16 नग बेशकीमती सागौन के पेड़ों को काटने का आरोप लगाया गया। वहीं उपवन से बेशकीमती सागौन के पेड़ काटे जाने की घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में खासा आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग वन विभाग से की है।

अवैध कटाई के खिलाफ ग्रामीणजन हुए लामबंद

आपकों बता दे कि वारासिवनी वन परिक्षेत्र की कनकी सहायक परिक्षेत्र के अंतर्गत फोगलटोला पाथरी वन समिति है और इस क्षेत्र में स्थित उपवन में सागौन प्रजाति के पौधे लगाये गये है जो बड़े हो चुके है। साथ ही फोगलटोला पाथरी वन समिति के अध्यक्ष दिलीप बागड़े है और इस उपवन में बहुतायत संख्या में सागौन के पौधे लगे हुए है। जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग एवं वन समिति की है जिसमें अध्यक्ष का दायित्व भी अधिक रहता है। लेकिन उसी अध्यक्ष के द्वारा बिना अनुमति लिये उपवन क्षेत्र से सागौन के 16 नग पौधे काटे गये है जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि वन क्षेत्र से पौधों की कटाई करना होता है तो उसके लिए नियमानुसार वन विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। लेकिन बीती रात्रि में फोगलटोला पाथरी वन समिति के अध्यक्ष श्री बागड़े ने विभाग के नियमों को ताक पर रखकर अपनी मर्जी से मशीन लगाकर उपवन क्षेत्र में सागौन के पेड़ों की कटाई करवा दी। जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी लगी तो उन्होने वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दिये। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारी हरकत में आये और रविवार की सुबह वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी घटना स्थल पहुंच कर मौके स्थल का निरिक्षण किया तो सागौन के पेड़ो की कटाई की घटना सही पाई गई है। इस तरह से वन समिति अध्यक्ष ने बिना अनुमति लिये बेशकीमती सागौन के पौधों की कटाई कर दी है जिससे ग्रामीणजनों में रोष व्याप्त है। वन विभाग के अधिकारी घटना स्थल पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणजनों के समक्ष उपवन क्षेत्र से काटे गये सागौन के पौधों की जप्ती कर आवश्यक कार्यवाही की और ग्रामीणजनों को आश्वास्त किया है कि मामले की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। वही इस अवैध कटाई से नाराज ग्रामीणों ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और आरोपी अध्यक्ष के विरूध्द कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वहीं वन समिति फोगलटोला पाथरी अध्यक्ष दिलीप बागड़े से दूरभाष पर बिना अनुमति लिये उपवन क्षेत्र से 16 नग बेशकीमती सागौन के पेड़ काटे जाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

दोषियों के खिलाफ दर्ज हो एफआईआर - ठानेंद्र

पूर्व जनपद सदस्य ठानेंद्र बिसेन ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलने पर जब उपवन पहुंचे और मौके का मुआयना किया गया, तो वहां अवैध रूप से कटे हुए सागौन के पेड़ पाये गये, जिसके बाद वन विभाग को सूचित किया गया। श्री बिसेन ने बताया कि ग्रामीणों ने जिस व्यक्ति को वनों की सुरक्षा के लिए रक्षक के रूप में चुना था, आज वही भक्षक की भूमिका निभा रहा है यानि की वन समिति अध्यक्ष के द्वारा अवैध रूप से सागौन के पौधों की कटाई करवाई गई है जो गलत है। श्री बिसेन ने बताया कि वन विभाग से मांग है कि इमारती लकड़ियों को जप्त कर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही करें। कार्यवाही नही होने पर कठोर कदम उठाने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

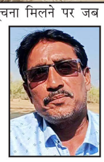

अध्यक्ष की यह भूमिका दुर्भाग्यपूर्ण है - बालकृष्ण

रटेगांव के पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन ने बताया कि ग्राम वन समिति के अध्यक्ष का चुनाव ही वनों की रक्षा के संकल्प के साथ किया जाता है, लेकिन यदि वही पेड़ों की अवैध कटाई में संलिप्त पाया जाये, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। श्री बिसेन ने बताया कि फोगलटोला वन समिति अध्यक्ष श्री बागड़े के द्वारा बिना अनुमति के सागौन के पेड़ों की कटाई करवाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इस अवैध कटाई के दौरान वन विभाग के कुछ कर्मचारियों की मौजूदगी की भी चर्चा है, जो कि गंभीर जांच का विषय है। प्रशासन से मांग है कि इस पूरे प्रकरण की जांच कर सभी दोषियों पर कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

वन समिति अध्यक्ष को पद से हटाया जाये - बंशीलाल

पाथरी के पूर्व सरपंच बंशीलाल हरिनखेड़े ने बताया कि वन प्रबंधन समितियों का मूल उद्देश्य ही यह है कि समिति का गठन कर ग्रामीणों और विभाग के समन्वय से वनों की रक्षा की जाये परंतु यहां पर बिल्कुल इसके विपरीत ही वन समिति के अध्यक्ष दिलीप बागड़े ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर आधुनिक मशीनों के माध्यम से बीती रात के अंधेरे में 16 सागौन के पेड़ों को धराशायी कर दिया गया है। जिसकी जानकारी लगने पर तत्काल वन विभाग को जानकारी दी गई। श्री हरिनखेड़े ने बताया कि वन समिति अध्यक्ष का यह कृत्य नियम विरूध्द है जिसके लिये अध्यक्ष को समिति के अध्यक्ष पद से तत्काल निष्कासित किया जाना चाहिये और वनों को पहुंचाये गये इस भारी नुकसान की भरपाई के लिए उनके विरूध्द कठोर कार्यवाही की जाये।

बिना अनुमति लिये की गई है पेड़ों की कटाई - परिक्षेत्र सहायक

सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी भास्कर उके ने बताया कि सागौन जैसी संरक्षित प्रजाति के पेड़ों की कटाई के लिए शासन द्वारा अत्यंत कड़े नियम निर्धारित किये गये है। नियमानुसार किसी भी पेड़ की कटाई से पूर्व विधिवत अनुमति और सक्षम अधिकारी के आदेश की आवश्यकता होती है परंतु इस प्रकरण में नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। श्री उके ने बताया कि वन समिति अध्यक्ष द्वारा बिना किसी सूचना या अनुमति के 16 सागौन के वृक्ष काट दिये गये। ग्रामीणों के माध्यम से देर रात सूचना मिलते ही हमारे द्वारा बीट गार्ड और विभागीय टीम के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। विभाग के द्वारा लकड़ी की जप्ती की गई है और कटे हुए पेड़ों की सटीक कीमत का आकलन घनमीटर निकालने के बाद ही किया जा सकेगा एवं जांच के बाद दोषी पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

शास. प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल की वार्षिक परीक्षा आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 3 री, 4 थी, 6 वीं और 7 वीं की वार्षिक मूल्यांकन परीक्षाओं का टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। इस टाइम टेबल के अनुसार विकासखंड लालबर्रा में शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा 9 मार्च से शुरू होगी जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पूरी कर ली गई है। यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होगा एवं दोपहर 12.30 बजे संपन्न होगी। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों की स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा 9 मार्च से प्रारंभ होगी जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। जिसमें कक्षा 3 री, चौथी का 9 मार्च को प्रथम भाषा हिन्दी/अंग्रेजी विषय के प्रश्नपत्र के साथ शुरू होगी, 10 मार्च को गणित (दृष्टिबाधितों के लिए संगीत), 14 मार्च को द्वितीय भाषा सामान्य अंग्रेजी या हिन्दी, 16 मार्च को पर्यावरण अध्ययन, 17 मार्च को अतिरिक्त भाषा (हिन्दी/उर्दू) विषय का प्रश्न पत्र है। इसी तरह कक्षा छटवीं से सातवीं की परीक्षा 9 मार्च को प्रथम भाषा हिंदी/अंग्रेजी प्रश्नपत्र के साथ शुरू होगी। 10 मार्च को गणित (दृष्टिबाधितों के लिए संगीत), 11 मार्च को द्वितीय भाषा (अंग्रेजी/हिन्दी), 12 मार्च को विज्ञान, 13 मार्च को तृतीय भाषा संस्कृत/हिन्दी और 14 मार्च को सामाजिक विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र के साथ वार्षिक परीक्षा संपन्न हो जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि रा'य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी की गई समय-सारणी के साथ कुछ विशेष निर्देश भी जारी किये हैं जिनके अनुसार दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत नि:शक्त विद्यार्थियों को नियमानुसार अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा प्रदान की जायेगी। यदि विद्यार्थी ने प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी चुनी है, तो उसके लिए द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का चयन अनिवार्य होगा, इसी प्रकार उर्दू/मराठी माध्यम के छात्रों के लिए भी भाषा चयन के विशेष नियम लागू रहेंगे। श्री तुरकर ने बताया कि परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परिणाम

क्षेत्र में गर्मी का एहसास शुरू, ठंड से मिलने लगी राहत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में तेज धुप यानि गर्मी का एहसास होने लगा है एवं क्षेत्रीयजनों को ठंड से राहत मिलने लगी है। आपकों बता दे कि क्षेत्र में बीते दिनों से मौसम साफ होने के कारण दिन में लग रही तेज धूप के चलते ठंड कम होने लगी है। जिसके चलते अब दिन में गर्मी का एहसास होने लगा है परन्तु सुबह, शाम व रात के समय अब भी ठंड बरकरार है। साथ ही सुबह के समय ठंड का एहसास होने लगता है और लोग गर्म कपड़ों में नजर आते है। वहीं मौसम परिवर्तन होने के साथ ही ठंड धीरे-धीरे कम होने लगी है और दिन में गर्मी का एहसास शुरू होने लगी है। जिससे ऐसा लग रहा है कि 15 मार्च के बाद से धूप तेज होने के साथ ही गर्मी से लोग परेशान होते नजर आयेगें।

भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत संघ विधि प्रकोष्ठ ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी देने वाले ठेकेदार अबू शाह पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित विश्रामगृह के जीर्णोध्दार कार्य में बरती जा रही अनियमितताओं के खिलाफ किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने एवं ठेकेदार अबू शाह के द्वारा फोन पर गाली गलौच व अभद्र व्यवहार करने के संबंध में अब तक पुलिस विभाग के द्वारा किसी प्रकार की कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होने के कारण अब सामाजिक संगठन एकजुट होते दिखाई दे रहे है। गत दिनों भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत संघ विधि प्रकोष्ठ के द्वारा पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर दोषी के विरूध्द कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में भारतीय क्षत्रिय महासभा (भारत संघ) विधि प्रकोष्ठ के सदस्य अधिवक्ता इंद्रजीत गौतम एवं किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने संयुक्त रूप से विज्ञप्ति जारी कर ठेकेदार द्वारा दी गई जान से मारने की धमकी की कड़े शब्दों में निंदा की है। वहीं भारतीय क्षत्रिय महासभा (भारत संघ) विधि प्रकोष्ठ के सदस्य अधि. इंद्रजीत गौतम कहा कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों में पारदर्शिता की मांग करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और मुनेन्द्र ठाकरे के द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत करना एक वैधानिक कदम था, जिसके बदले में ठेकेदार अबू शाह द्वारा अभद्र गालियां देना और जानलेवा हमले की धमकी देना न केवल अपराध है, बल्कि कानून को चुनौती देना भी है। श्री गौतम ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि लालबर्रा विश्रामगृह में किया गया कार्य गुणवत्ता विहीन और मानकों के विपरीत है। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का सूचना पटल न होना भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। जब इन खामियों को उजागर करने का प्रयास किया गया, तो ठेकेदार द्वारा सत्ता और प्रभाव का धौंस दिखाकर आवाज दबाने की कोशिश की गई। वहीं संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मुनेन्द्र ठाकरे और अधिवक्ता इंद्रजीत गौतम ने संयुक्त रूप से आरोप लगाया कि ठेकेदार अबू शाह द्वारा बार-बार क्षेत्रीय विधायक का नाम लेकर यह कहना कि मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता और विधायक का नाम लेकर विधायक की छवि को भी धूमिल कर रहा है। पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि किसी भी प्रभाव में आये बिना आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जाना चाहिये। कार्यवाही ना होने पर भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत संघ विधि प्रकोष्ठ ने चेतावनी दी है कि यदि किसान कांग्रेस नेता को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई और आरोपी ठेकेदार की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो संगठन उग्र जन-आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। मांग करने वालों में भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत संघ विधि प्रकोष्ठ सदस्य अधि. इंद्रजीत गौतम, अधि. अजय बिसेन, राजेन्द्र कटरे, नीतिन गौतम, प्रकाश पटले, ओमेन्द्र बिसेन, किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष ओमेन्द्र बिसेन ने की है।

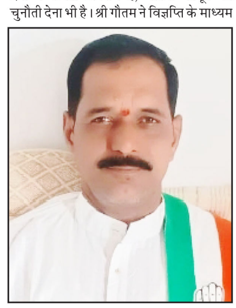

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'अस्मिता दिवस' का भव्य आयोजन, खेल प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने दिखाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माय भारत बालाघाट (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में जिला प्रशासन के सहयोग से मुलाना स्टेडियम बालाघाट में 'अस्मिता दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने मनमोहक नृत्य और सुंदर गीत प्रस्तुत कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी श्री प्रांजल अग्रवाल, जिला युवा अधिकारी माय भारत बालाघाट द्वारा दी गई।

इस अवसर पर महिलाओं और युवतियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताएं तीन आयु वर्गों—13 वर्ष तक, 13 से 18 वर्ष तक और 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग—में आयोजित की गईं। इनमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़ तथा रस्साकसी जैसी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में श्रीमती रचना चौधरी (महिला एवं बाल विकास विभाग), सतीश शर्मा (न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), श्री धुर्वे (जिला विधिक सहायता अधिकारी), राहुल बारेश (जिला खेल अधिकारी), श्रीमती नीतू द्विवेदी, श्रीमती सुनीता (बाल कल्याण समिति सदस्य), श्रीमती सोमा मजूमदार (समाजसेवी) तथा श्रीमती फिरोजा खान (मानव अधिकार आयोग सदस्य) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों एवं समाज में सक्रिय रूप से कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता एवं श्री अजय बेस (केंद्रीय संचार ब्यूरो) द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम का सफल संयोजन श्रीमती दीपमाला मंगोलिया, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा श्री सी.आर. जंघेला, कार्यक्रम पर्यवेक्षक माय भारत बालाघाट के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पुरूष प्रधान देश में अधिकारों से कोसो दूर महिलाएं

महिलाओं को नही मालूम क्या है अधिकार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

यह कैसा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस जहां आज भी महिलाओं को अपने अधिकारो और हक के लिये जूझना पड़ रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नगर में महिलाओं से संबंधित किसी प्रकार का शासकीय कार्यक्रम का आयोजन ना होना इस बात को प्रमाणित करता है कि आज भी महिलाओं को अपना अधिकार पाने की लंबी जद्दोजहद करनी होगी। पूरे विश्व में ८ मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े जोश खरोश से मनाया जाता है और विभिन्न शासकीय कार्यक्रमो का आयोजन कर महिलाओं के सशक्त रूप को बताया जाता है और ऐसे कार्यक्रमो में महिलाओं से जुड़ी विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया जाता है। इन योजनाओं से लाभांवित महिलाओं के सरकारी आकड़े बताये जाते है ताकि महिलाओं को उनसे संबंधित योजनाओं और मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त हो सके। मगर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर में ना तो महिला बाल विकास ने किसी प्रकार का कोई कार्यक्रम आयोजित किया और ना ही अन्य शासकीय विभागो ने।

मॉ दुर्गा की शक्ति दिखा रही कुछ महिलाओं की मेहनत

अगर हम आज महिलाओं के रूप का दूसरा पहलू देखे तो महिलाओं को आज भी अपना अधिकार पाने के लिये दर दर की ठोकरे खानी पड़ रही है फिर भी उन्हे अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है। जिसका एक उदाहरण नगर में देखा जा सकता है जहां कुछ महिलाऐं ऐसी है जो बगैर किसी शासकीय योजना का लाभ लिये बगैर शान से अपना छोटा मोटा व्यवसाय कर अपने साथ साथ पूरे परिवार का पेट पाल रही है और लोगो को जीवन जीने की कला सीखा रही है। जिनकी हाडतोड़ मेहनत देखकर बर्बस ही उन पर नजर टिक जाती है और ऐसा लगता है कि साक्षात मॉ दुर्गा उनमे समाहित हो चुकी है जो नारी शक्ति का अहसास करा रहीं है।

नही जानती क्या है अधिकार

वहीं कुछ महिलाऐं ऐसी है जो विक्षिप्त है जिनकी ना तो शासन सुध ले रहा है और ना ही उनके परिजन जिन्हे यहां तक नही पता की आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस क्या होता है। इसी तरह कुछ महिलाऐं ऐसी है जो भीख मांगकर अपने परिवार का पेट पाल रही है फिर हम यह कैसे माने की २१ वीं सदी में पहुँचने के बाद भी महिलाओं को भारत रूपी पुरूष प्रधान देश में बराबरी का दर्जा प्राप्त हो चुका है और शासन जो महिलाओं के हित में योजनाऐं लागू कर चला रहा है उनका पूरा फायदा महिलाओं को मिलने लगा है।

सरकारी आकड़ो में ही महिला सशक्त

सिर्फ सरकारी कागजी आंकड़े पर ही महिलाओं का सशक्त रूप दिखाई देता है जो यथार्थ के धरातल पर शून्य है। आज भी भारत देश की अधिकांशता आबादी ग्रामो में निवास करती है,जहां शिक्षा का स्तर इतना ऊंचा नही है जिसकी वजह से ना तो उन्हे शासन के द्वारा उनके हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ मिल पाता है और ना ही सरकारी मिशनरी उन्हे लाभ दिलवाये जाने के लिये युध्द स्तर पर प्रयास करती है। जिसकी वजह से ही आज भी महिलाओं को अपना अधिकार और हक पाने जूझना पड़ रहा है।

उच्च वर्ग की अधिकांशता महिलाऐं ही जानती है अपने अधिकार

राजनिति का क्षेत्र हो या फिर शासकीय नौकरियों का या फिर सामाजिक क्षेत्र इन सभी क्षेत्रो में अगर हम नजर दौड़ायें तो यह बात सामने आती है कि जो महिलाऐं शिक्षित व उच्च वर्ग से ताल्लुक रखती है वे ही आज समाज की मुख्यधारा से जुड़ी हुई है। जो तटस्थ होकर अपने अधिकारो को जानती और पहचानती है इसलिये वें आज समाज में एक मिशाल के रूप में देखी जाती है। पदमेश न्यूज की टीम ने ऐसी ही कुछ महिलाओं की तलाश की जो निम्न वर्ग से ताल्लुक रखती है जो बगैर किसी शासकीय योजना का लाभ उठाये अपने परिवार को बेहतर शिक्षा व सुख सुविधा देने के लिये मेहनत कर समाज में एक उदाहरण पेश कर रही है।

परिवार का पालन पोषण बगैर किसी सरकारी मदद के शान से कर रही हूं- गौरी कामड़े

पदमेश से चर्चा करते हुये नगर के वार्ड क्रमांक २ कि निवासी गौरी कामड़े ने बताया कि कभी तहसील कार्यालय के सामने तो कभी शासकीय कमला नेहरू कन्या शाला के पास तो कभी दीनदयाल चौक पर गन्ना रस का ठेला लगाती है अनायास ही लोगो की भीड़ गन्ने रस का सेवन करने उमड़ पड़ती है। मै लगभग ७ वर्ष की उम्र से इस व्यवसाय में अपने पिता के साथ जुड़ी थी। कक्षा बारहवी तक की पढ़ाई करने के बाद उनकी शादी कर दी गई थी जिसके कुछ वर्षो बाद ही मेरे पति को पैरालेसेसे अटैक आया और वे अपाहिज हो गये। जिसके बाद मेरे परिवार पर आर्थिक संकट छा गया और मैने इस आर्थिक संकट की घड़ी में कभी हिम्मत नही हारी और तब से लेकर आज तक गन्ना रस का ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण बगैर किसी सरकारी मदद के शान से कर रही हूॅ। उन्होने बताया कि उनके ४ बच्चे है जो लड़की है जिन्हे अच्छी शिक्षा देना ही उनका मुख्य उददेश्य है ताकि उन्होने जो कष्ट अपने जीवन में झेला है उससे उनकी लड़कियों को दो चार ना होना पड़े। उन्होने बताया कि उनकी लड़कियॉ भी उनके इस कार्य में बेटो जैसा फर्ज निभाती है और समय समय पर दुकान में आकर उनका हाथ बटाती है।

किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने महिला अधिकार योजना की कभी जानकारी नही दी-सुशिला सहारे

पदमेश से चर्चा में श्रीमती सुशिला सहारे ने बताया कि परिवार को आर्थिक तंगी से बचाने के लिये उन्होने अपने पति से साथ गुपचुप चाट की दुकान और घर का कार्य करती है। महिला दिवस कब आता है पता नही इसके अंतर्गत कौन सा अधिकार महिलाओं को प्राप्त है पता नही चाट गुपचुप का धंधा करने पर ही घर चलता है। इसके पहले दुध बेचने का काम करते थे कभी किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने महिला अधिकार योजना की कभी जानकारी नही दी है।

महिला सशक्तिकरण धरातल पर नहीं है कोई महिला सशक्त नहीं हुई है-छाया पंचेश्वर

पद्मेश से चर्चा में रेजा संघ अध्यक्ष छाया पंचेश्वर ने बताया कि कृषि उपज मंडी में हम धान भराई का काम करते हैं। १० वर्षों से मैं काम कर रही हूं आज तक हमें कोई लाभ नहीं मिला है ३ रूपये २० पैसे प्रति क्विंटल मिलती है। बात अधिकार और सुविधा की करें तो मंडी में महिला प्रसाधन तक ठीक से नहीं है खुले में जाकर शर्मिंदा होना पड़ता है। एक सप्ताह में २५० रुपए यानी रोजाना १० रुपए मिलते हैं मेरे घर में कमाने वाला कोई नहीं है। बेटा छोटा है स्कूल पढ़ रहा है ६८ वर्ष की सास है मैं काम करती हूं मुझे और मेरे बच्चे को कोई योजना का लाभ नहीं है। मजदूर कार्ड है उसका भी हमें कोई फायदा नहीं है हमारे बच्चे को स्कॉलर और हमें काम करने के लिए लोन मिलना था तो घर ठीक चलता। परंतु अभी इतने में जितना होता है उतना कर रहे हैं महिला सशक्तिकरण धरातल पर नहीं है कोई महिला सशक्त नहीं हुई है। यहां हमारे साथ जो भी महिलाएं करती है सभी की स्थिति हमारे जैसी है।

आज तक कोई हमें जागरुक करने भी नहीं आया-रेखा जमरे

पद्मेश से चर्चा में रेखा जमरे ने बताया की २० वर्ष से मैं काम कर रही हूं मेरा मायका नागपुर का ससुराल वारासिवनी का हैं। हमारे घर में आर्थिक स्थिति खराब होने से मुझे यह काम करना पड़ रहा है,पहले यहां मेरी सास ने करीब ५० वर्ष काम किया अब उनके बाद मैं २० वर्षो से काम कर रही हूं। रोजी का कोई निश्चित नहीं है क्विंटल पीछे रुपए मिलते हैं इससे हमारा काम नहीं चलता है। सुबह दूसरा काम करती हूं और दोपहर १ बजे से यहां काम करती हूं तब जाकर परिवार चलता है। यहां मंडी में बराबर रोजगार तो मिलता नहीं है परंतु लाभ भी कुछ नहीं मिल रहा है मजदूर पंजीयन का भी हमारा कोई लाभ नहीं है। दूसरी कक्षा तक पढ़ी हूं शिक्षा का अभाव रहा है आज तक कोई हमें जागरुक करने भी नहीं आया। पहले हमारे बच्चों को मेघावी छात्रवृत्ति मिलती थी वह भी अब बंद हो गई है।

लोहार विश्वकर्मा समाज के द्वारा होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

ऐसे आयोजन से आपसी संबंध और अधिक मजबूत होते है-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। फाल्गुन पूर्णिमा के पावन अवसर पर वारासिवनी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में होली का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी के तहत ८ मार्च दिन रविवार को विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन की ओर से रंग पंचमी मिलन समारोह आदिवासी सामुदायिक भवन में मनाया गया। इस समारोह में विधायक विवेक पटेल शामिल हुए। जहां सभी लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। वहीं होली के गीतों पर सभी ने नृत्य भी किया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि यह उत्सव हर आँगन में सुख समृद्धि के रंग बिखरे और हर समाज के एकता का रंग बना रहे। समाज में होली का पर्व प्रेम,भाईचारा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन से आपसी संबंध और अधिक मजबूत होते है। पूरे माहौल में रंग गुलाल और हसी खुशी की झलक साफ दिखाई देती है। सभी लोग आपसी मन मोटाव,आपसी मनभेद को भुलाकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली मनाए। रंगों का यह महापर्व उत्सव हमें यही संदेश देता है कि प्रहलाद की तरह हम भी अपने जीवन में आने वाली विघ्न बाधाओं का धैर्यपूर्वक सामना करे। किसी भी प्रकार की विकट परिस्थितिया आए तो ईश्वर में अपनी श्रद्धा अडिग बनाए रखे। मुझे जिस समाज ने जो भी माँगा है मैने उन्हें देने का प्रयास किया हुं। आप लोगों के समाज का भवन नहीं है। आप जैसा और जब भी बोलेंगे आपका भवन बनकर तैयार हो जाएगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष अशोक मानेकर, राधेश्याम नगपुरे, नारायण पंद्रराम,चेतन सोनवाने, विनोद कोसरे, आकाश सोनवाने, महेश बावने, नंदकिशोर मेश्राम, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, दीनदयाल बोरेकर, पुरुषोत्तम उईके, मोहरलाल मेश्राम, कृष्ण कुमार लांजेवार,सी एल मराठा सहित सामाजिकगण मौजूद रहे।

महिलाएं धीरे धीरे सजग और सशक्त होकर आगे बढ़ रही है-रेशमा कुमरे

बुदबूदा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धुमधाम के साथ मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबुदा में आशादीप जनकल्याण समिति के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुसया बिसेन के मुख्य आतिथ्य ,कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष रेशमा कुमरे की अध्यक्षता ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ,पूर्व कांग्रेस ब्लॉक् अध्यक्ष भोजेश्वर पटले सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस दौरान होली मिलन समारोह मनाते हुए महिलाओं के द्वारा एक दूजे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी गई। वहीं महिलाओं के द्वारा आपस में होली मिलन के रूप में स्नेह का प्रकट किया गया। तत्पश्चात् उपस्थित अतिथियों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति और उनकी उपलब्धियों को नमन कर महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्रगति पर चर्चा कर आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने को लेकर जागरुक कर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

महिलाएं बढ़.चढ़कर अपने अधिकारों का उपयोग कर आगे बढ़े-रामकुमार नगपुरे

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपरे ने कहां की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं को सशक्त करने का दिन है। हम देख रहे हैं कि सभी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है बाबा साहब ने महिलाओं को अधिकार दिए हैं। राजनीतिक सामाजिक और शिक्षा व्यवस्था में बाबा साहब ने महिलाओं के लिए व्यवस्था बनाई है। हम यही चाहते हैं कि महिलाएं बढ़.चढ़कर अपने अधिकारों का उपयोग कर आगे बढ़े। आप सभी महिलाओं के द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है इसे यहां तक सीमित ना रखें क्षेत्र में बढ़ाएं ताकि आपका एक बड़ा समूह बने और यह जो कर रहे हो वह सराहनीय काम है।

महिलायें अपने अधिकार और कर्तव्य को समझ नहीं पा रही है-अनुसया बिसेन

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनुसया बिसेन ने कहा कि आजादी के इतने वर्ष बाद भी महिला अपने अधिकार और कर्तव्य को समझ नहीं पा रही है। परिवार के प्रति वह अपने कर्तव्य समझती है परंतु वह अधिकार नहीं समझते हर क्षेत्र में महिला आगे बढ़ रही है। पहले ऐसा नहीं था प्राचीन समय में जब सामाजिक परिवेश बना महिलाओं को बहुत महत्व मिलान दिया गया। बीच में ऐसे समाज के शासक आए उनसे हमें अपनी महिलाओं को बचाने छुपाना पड़ता था। तब से यह घूंघट और अन्य प्रकार की कुप्रथा प्रारंभ है करीब ६०० साल पहले यह हुआ था। निरंतर अब महिलाओं में जागृति आ रही है संविधान में भी उन्हें अधिकार मिले हुए हैं। अभी हम शिक्षा के क्षेत्र में ही देख तो बेटियां बहुत अच्छा कर रही है लगातार आगे बढ़ रही है।

वर्तमान में देखे तो महिला किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है -रेशमा कुमरे

सेवादल अध्यक्ष रेशमा कुमरे ने बताया कि बुदबूदा ग्राम में हमारा आशादीप समूह है जिसके माध्यम से निरंतर सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं। यह महिलाओं का समूह होने से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर होली मिलन और महिला दिवस दोनों का आयोजन किया गया है। वर्तमान में देखे तो महिला किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है राजनीति खेल सामाजिक शैक्षणिक सभी क्षेत्र में लगातार महिलाएं प्रगति कर रही है। अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही है आज विशेष कर शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक संख्या बच्चियों की है। समाज धीरे.धीरे सशक्त हो रहा है यही कारण है कि आज राजनीति और नौकरी में महिलाओं की भागीदारी बड़ी है। वह निरंतर आगे बढ़ रही है परंतु आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित है और यही कारण है कि हमें ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को जागरूक करना पड़ रहा है। अब ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी मुख्य धारा में लौट रही है अपने अधिकारों के लिए सजग हो रही है।

रमाबाई बुद्ध विहार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

महिलाओं को प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया गया जागरूक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ४ स्थित रमाबाई बौद्ध विहार में दी बुद्धिस्ट महिला मंडल के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ महिलाओं की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महाकारूणीक तथागत गौतम बुद्ध संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सामूहिक पूजा वंदना की गई। तत्पश्चात अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रारंभ किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे कविता पाठ, गीत गायन, एकल एवं सामूहिक नृत्य, प्रश्नोत्तरी सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न माध्यमों से महिलाओं को उनके हक अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाता रहा। वहीं प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रस्तुति देने के लिए पुरस्कृत भी किया गया। श्रीमती ममता बांसोड़ में बताया कि ८ मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है इस दिन महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम रखा गया है। यहां सभी बौद्ध समाज की महिला एकत्रित हुई है जिनके लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई है। उसमें वह भाग भी ले रहे हैं इसमें नृत्य, भाषण, गीत, १ मिनट के खेल प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, म्यूजिक माला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं करवारकर महिलाओं को पुरस्कृत किया जा रहा है। यह ३ वर्षों से आयोजन हमारे द्वारा किया जा रहा है। सभी जगह विभिन्न समाजों का कार्यक्रम आयोजित होता है ,ऐसे में बौद्ध समाज की महिलाओं के लिए यह कार्यक्रम सामाजिक स्तर पर आयोजित कर महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का अर्थ बताने और उन्हें जागरूक करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सुमंता बंसोड़ ,सुचिता डोंगरे ,संगीता शिंदे ,अर्चना खोबरागड़े ,आरती कठाने ,पुष्पा रामटेके ,मयूरी गनवीर, आभा चौहान, संगीता डोंगरे, देवीना रामटेके ,सुलोचना शेंडे ,प्रीति वासनिक, श्यामा बोरकर ,उमा कठाने ,मंजू खंडेश्वार, वंदना दुफारे, सारिका त्रिरपुड़े ,प्राची मेश्राम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

फॉर्मूला वन और 'नेट कार्बन जीरो' योजना

फॉर्मूला वन (एफ1) इस वक्त स्वर्णिम दौर से गुजर रहा है। यह तथ्य दौड़ में रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी (रेस अटेंडेंस), दर्शकों के आंकड़े (व्यूइंग स्टैटिस्टिक्स), टीमों की मजबूत बैलेंस शीट और आसमान छूते मूल्य निर्धारण (वैल्यूएशन) से स्पष्ट होता है। ट्रैक पर भी, पिछले सीजन में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले हैं। साल 2025 में, चालकों के खिताब के लिए मुकाबला आखिरी दौड़ तक चला। इसमें तीन चालक प्रबल दावेदार थे। अंत में, मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने अपनी ही टीम के साथी ऑस्कर पियास्त्री और रेड बुल के चार बार के चैंपियन मैक्स वर्स्टापेन से आगे निकलकर बाजी मार ली। अब, मेलबर्न में सीजन की पहली प्रतियोगिता ऑस्ट्रेलियाई ग्रांड प्रिक्स की पूर्व संध्या पर, एफ1 एक ऐसी साहसिक राह पर अग्रसर है जो इसके भविष्य को परिभाषित कर सकता है। एक ऐसे वक्त में जब जलवायु से जुड़े लक्ष्यों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है और टिकाऊ जीवन शैली की तरफ जोर दिया जा रहा है, ईंधन की खपत करने वाली अपनी मशीनों और साल में 24 बार पांच महादेशों को पार करने वाले एक वैश्विक सर्कस से लैस एफ1 को एक बेमेल कोशिश के तौर देखा जा सकता है। साल 2019 में, एफ1 ने 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन (नेट कार्बन जीरो) वाली प्रतियोगिता बनने की योजना बनाई थी और इस साल से, वह उस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अपना सबसे बड़ा कदम उठाएगा। इस प्रतियोगिता की शासी निकाय, फेडरेशन इंटरनेशनेल डी ल'ऑटोमोबाइल (एफआईए) ने 2026 के लिए एक नया हाइब्रिड इंजन फार्मूला पेश किया है। यह फार्मूला पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर में समान रूप से विभाजित है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी कारें उन्नत टिकाऊ ईंधन से संचालित होंगी।

ये ईंधन कच्चे तेल के बजाय कार्बन अवशोषण (कार्बन कैप्चर) की तकनीक, नगरपालिका अपशिष्ट और गैर-खाद्य बायोमास से प्राप्त होते हैं। इलेक्ट्रिक मोटर की बैटरी को ब्रेक लगाने के दौरान नुकसान होने वाली ऊर्जा को एकत्रित करके चार्ज किया जाएगा। ऐतिहासिक रूप से, प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माताओं ने इस कारों के खेल (मोटरस्पोर्ट) को अनुसंधान और विकास के एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया है और ट्रैक के वाहनों से पारंपरिक कारों में प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया है और इसका मुख्य मकसद एक रोमांचक चैम्पियनशिप को संभव बनाना है। रेसिंग का मुख्य आकर्षण चालकों को कारों को उनकी चरम सीमा तक ले जाते हुए देखना और दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना है। सीजन शुरू होने से पहले के परीक्षण (प्री-सीजन टेस्टिंग) के दौरान, नई कारों को चालकों की तरफ से ठंडी प्रतिक्रिया मिली। चालकों ने यह महसूस किया कि नया फॉर्मूला उन्हें हर वक्त कारों को उनकी अधिकतम सीमा तक ले जाने की इजाजत नहीं देता है, क्योंकि उनमें ऊर्जा की कमी है। हालांकि ये अभी शुरुआती दिन ही हैं, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि टीमें कितनी जल्दी इन चुनौतियों से पार पाती हैं या इस खेल की भावना को खोने से बचाने के लिए नियम बनाने वाले किस तरह हस्तक्षेप करते हैं। अगर एफ1 इस सीजन के अंत तक करीबी मुकाबले और एक प्रतिस्पर्धी चैंपियनशिप पेश करने में समर्थ होती है, तो यह दांव सार्थक साबित हो सकता है। है। नए नियमों ने बड़ी कंपनियों को इस श्रृंखला में वापस लौटने के लिए आकर्षित किया है। ऑडी ने अपनी खुद की टीम उतारी है। होंडा और फोर्ड ने क्रमश: एस्टन मार्टिन और रेड बुल रेसिंग के इंजन पार्टनर के रूप में इस खेल में वापसी की है। यूं तो ये बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं, लेकिन आखिरकार एफ1 एक खेल ही

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक?

कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 卐किसान का बेटा卐 या गाँव से आया लड़का या लड़की जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है।

भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंतत: प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 卐किसान पुत्र卐, 卐गाँव का बेटा卐 या 卐ग्रामीण पृष्ठभूमि卐 के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

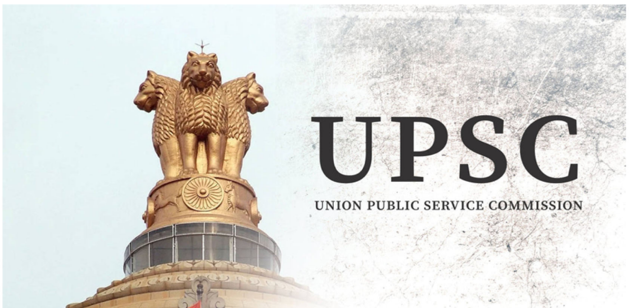

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 卐गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक卐 या 卐किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया卐 जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंतत: प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन कार्यक्रम से समाज परिवर्तन सम्भव है

आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और यदि हम संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें, तो ध्यान में आता है कि संघ के स्वयसेवकों ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विचार और क्रियाशीलता के स्तर पर सक्रिय योगदान दिया है। वे अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के वाहक भी बने हैं। प्रारम्भ का सीमित संघ कार्य, समय के साथ व्यापक होता गया है। समाज की विभिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विविध आयामों में अपने सहयोगियों के साथ क्रियाशील बने हैं। परिणामत: संघ के उद्देश्य के अनुरूप, देश में हिंदुत्व का जागरण करने की दिशा में विशेष प्रगति हुई है। हिंदुत्व के जागरण से, समाज में जाति, वर्ग, भाषा इत्यादि के आधार पर होने वाले अनेक प्रकार के भेदभाव, धीरे धीरे कम होने लगे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन, अयोध्या मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा, कुम्भ जैसे विराट आयोजन इत्यादि अनेक ऐसे अवसर आए हैं - जहां हिंदू समाज का एक संगठित, भव्य और उच्च आदर्शों से युक्त स्वरूप सामने आया है। यह दृश्य समाज में आत्मविश्वास जगाने वाला बन रहा है। हम सब मिलकर देश के भविष्य को उज्जवल एवं सुदृढ़ बना सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक वातावरण निर्मित कर सकते हैं। इसलिए ये हमारी राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करने वाले आयोजन सिद्ध हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष केवल इतिहास की उपलब्धियां नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा का संकल्प हैं।

आज, जब हम राष्ट्रीयस्वयं संघ की 100 वर्षों की इस यात्रा को देखते हैं, तो यह भी स्पष्ट होता है कि समाज में जिस परिवर्तन के लिए संघ के स्वयंसेवक सक्रिय रहे हैं वह अब दिखाई देने लगा है। हिंदुत्व और इसकी परम्पराओं पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। समाज के अनेक लोग इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं और इसका अनुभव भी कर रहे हैं। हिंदुत्व की इस जागृति के कारण लोग अब हिंदू होने में गर्व का अनुभव कर रहे हैं। एक समय था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही उजागर किया जाता था, जिससे अनेक लोग हिंदुत्व की अच्छाईयों को पहचान नहीं पाए, किंतु अब स्थिति बदल रही है। लोग अपने पूर्वजों के धर्म और परम्पराओं को महत्व देने लगे हैं। वे अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह पद्धति तक में हिंदू संस्कारों का समावेश कर रहे हैं। घर की परम्पराओं को आदरपूर्वक अपनाया जा रहा है। उक्त वर्णित सम्पूर्ण प्रक्रिया का उद्देश्य है - एक सच्चरित्र, प्रामाणिक और संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण करना। ऐसी पीढ़ी समाज का वातावरण सुधार कर घर और समाज में सुख शांति स्थापित कर सकती है। इसलिए, इन मूल्यों और संस्कारों को महत्व देने और उन्हें अपने जीवन में उतारने के प्रयास आज घर घर में होने लगा हैं। लोग अब ऐसे सभी मंचों और माध्यमों से जुड़ने के लिए प्रयत्नशील हैं जो इस दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

संघ को भी लोग इस दृष्टि से एक महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं और विश्वासपूर्वक संघ से जुड़ने का उत्साह दिखा रहे हैं। जैसे जैसे हिंदुत्व पर विश्वास बढ़ रहा है, वैसे वैसे भारत के प्रति श्रद्धा और विश्वास, व्यापक और गहरा हो रहा है। संघ का मानना है कि 卐वसुधैव कुटुंबकम्卐 के आदर्श पर चलकर भारत न केवल अपने समाज को सशक्त करेगा, बल्कि पूरी दुनिया को शांति, सद्भाव और सहयोग का संदेश देकर विश्वगुरु की भूमिका निभाएगा। यह सब भारतीय समाज में परिवर्तन लाकर ही फलिभूत हो सकता है। संघ द्वारा अपनी स्थापना के समय लिए गए संकल्पों को शीघ्र ही पूर्ण करने के उद्देश्य से अपने इस शताब्दी वर्ष में कुछ विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय समाज को (1) अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग करने, (2) पर्यावरण के प्रति सचेत करने, (3) नागरिकों में स्व के भाव को जगाने एवं स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने, (4) कुटुम्ब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक भावना जागृत करने एवं (5) समाज में समरसता के भाव को सुदृढ्ढ करने के लिए गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम को 卐पंच परिवर्तन卐 का नाम दिया गया है और इसका आह्वान परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत द्वारा किया गया है ताकि अनुशासन एवं देशभक्ति से ओतप्रोत युवा वर्ग अनुशासित होकर अपने देश को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करे। इस पंच परिवर्तन कार्यक्रम को सुचारू रूप से लागू कर समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। व्यवहार में पंच परिवर्तन को समाज में किस प्रकार लागू करना है इस हेतु हम समस्त भारतीय नागरिकों को मिलकर प्रयास करने होंगे, क्योंकि पंच परिवर्तन केवल चिंतन, मनन अथवा बहस का विषय नहीं है बल्कि इस हमें अपने व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। उक्त पांचों आचरणात्मक बातों का समाज में होना सभी चाहते हैं, अत: छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ कर उनके अभ्यास के द्वारा इस आचरण को अपने स्वभाव में लाने का सतत प्रयास अवश्य करना होगा।

जैसे, समाज के आचरण में, उच्चारण में संपूर्ण समाज और देश के प्रति अपनत्व की भावना प्रकट हो, प्रत्येक घर में सप्ताह में कम से कम एक बार पूजा या धार्मिक आयोजन हो एवं अपने परिवार के बच्चों के साथ बैठकर महापुरुषों के सम्बंध में सप्ताह में कम से कम एक घंटे चर्चा हो, परिवार के सभी सदस्यों में नित्य मंगल संवाद, संस्कारित व्यवहार व संवेदनशीलता बनी रहे, बढ़ती रहे व उनके द्वारा समाज की सेवा होती रहे, आदि बातों का ध्यान रखकर कुटुंब प्रबोधन जैसे विषय को आगे बढ़ाया जा सकता है। मंदिर, पानी, श्मशान के सम्बंध में कहीं भेदभाव बाकी है, तो वह शीघ्र ही समाप्त होना चाहिए। हम लोग अपने परिवार सहित त्यौहारों के समय अनुसूचित जाति के बंधुओं के घर जाएं और उनके साथ चाय पान करें। साथ ही, हम अनुसूचित जाति के बंधुओं को सपरिवार अपने परिवार में बुलाकर सम्मान प्रदान करें। कुल मिलाकर समस्त समाज एक दूसरे के त्यौहारों में शामिल हों ताकि आपस में भाई चारा बढ़े एवं देश में सामाजिक समरसता स्थापित हो सके।

सृष्टि के साथ संबंधों का आचरण अपने घर से पानी बचाकर, प्लास्टिक हटाकर व घर आंगन में तथा आसपास हरियाली बढ़ाकर हो सकता है। अपने घरों में जल का कोई अपव्यय नहीं हो रहा है एवं अपने परिवार में हरियाली की चिंता की जा रही है। समस्त नागरिकों के घर में स्वदेशी उत्पाद ही उपयोग होने चाहिए। देश में कानून व्यवस्था व नागरिकता के नियमों का भरपूर पालन होना चाहिए तथा समाज में परस्पर सद्भाव और सहयोग की प्रवृत्ति सर्वत्र व्याप्त होनी चाहिए। इन्हें हमारे नागरिक कर्तव्यों के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन हेतु हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। विशेष रूप से युवाओं में नशाबंदी समाप्त करने के लिए, मृत्यु भोज रोकने के लिए तथा विभिन्न समाजों में व्याप्त दहेज की कुप्रथा समाप्त करने के गम्भीर प्रयास हम समस्त नागरिकों को मिलकर ही करने होंगे। समाज की एकता, सजगता व सभी दिशा में निस्वार्थ उद्यम, जनहितकारी शासन व जनोन्मुख प्रशासन स्व के अधिष्ठान पर खड़े होकर परस्पर सहयोगपूर्वक प्रयासरत रहते है, तभी राष्ट्रबल वैभव सम्पन्न बनता है।

-प्रहलाद सबनानी

मिडिल-ईस्ट में महायुद्ध की आहट?- वैश्विक शक्ति -संतुलन, आपातकालीन एडवाइजरी और तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर इतिहास के सबसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। क्षेत्र में तेज़ी से बदलते सैन्य समीकरण, मिसाइल और ड्रोन हमलों की नई लहरें,और महाशक्तियों की खुली भागीदारी ने हालात को अत्यंत गंभीर बना दिया है। ईरान इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ता प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन की परीक्षा बन चुका है।अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की परतें हटती दिख रही हैं और सैन्य रणनीति खुले मैदान में उतर आई हैअमेरिका द्वारा अपने नागरिकों को खाड़ी और युद्धग्रस्त देशों से तुरंत निकलने की सलाह देना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि स्थिति सामान्य राजनयिक तनाव से कहीं आगे बढ़ चुकी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं ि? जब कोई महाशक्ति अपने नागरिकों को एक साथ अनेक देशों से तत्काल प्रस्थान का निर्देश देती है,तो यह केवल सावधानी नहीं बल्कि संभावित बड़े सैन्य विस्तार की पूर्व चेतावनी भी माना जाता है।अमेरिकी नेतृत्व ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अभियान कुछ हफ्तों तक चल सकता है और आवश्यकता पड़ने पर इसे और लंबा किया जा सकता है। घोषित उद्देश्यों में ईरान की मिसाइल क्षमताओं को निष्क्रिय करना,उसकी नौसेना को कमजोर करना, परमाणु हथियार प्राप्त करने की संभावनाओं को समाप्त करना और उसके सहयोगी समूहों,जैसे हिज़्बुल्लाह को समर्थन से वंचित करना शामिल है।यह रणनीति केवल सैन्य नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक पुनर्संरचना का प्रयास प्रतीत होती है। यदि ईरान की क्षेत्रीय शक्ति को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाता है, तो पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। किंतु इसके प्रतिउत्तर में ईरान समर्थक समूहों द्वारा असममित युद्ध की रणनीति अपनाई जा सकती है, जिससे संघर्ष का दायरा और विस्तृत हो सकता है।क्या तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका वास्तविक है?इतिहास गवाह है कि विश्वयुद्ध अचानक घोषित नहीं होते, बल्कि क्षेत्रीय संघर्षों की श्रृंखला के रूप में विकसित होते हैं। प्रथम विश्वयुद्ध बाल्कन क्षेत्र के एक सीमित संघर्ष से शुरू हुआ था। वर्तमान परिस्थिति में यदि खाड़ी के देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में उतरते हैं, यदि क्षेत्रीय संगठन सक्रिय सैन्य भूमिका निभाते हैं, या यदि बड़ी शक्तियाँ रूस, चीन या यूरोपीय संघ किसी पक्ष में खुलकर शामिल होते हैं, तो स्थिति वैश्विक टकराव की ओर बढ़ सकती है।हालांकि, यह भी उतना ही सत्य है कि आधुनिक विश्व परस्पर निर्भरता से बंधा हुआ है।ऊर्जा बाजार, वैश्विक व्यापार, वित्तीय नेटवर्क और बहुपक्षीय संस्थाएँ किसी भी पूर्ण विश्वयुद्ध को अत्यंत महंगा बना देती हैं। इसलिए अधिकांश विश्लेषक मानते हैं कि तीसरे विश्वयुद्ध की संभावना भले ही चर्चा में हो, परंतु महाशक्तियाँ प्रत्यक्ष वैश्विक युद्ध से बचने की पूरी कोशिश करेंगी।

साथियों बात अगर हम 15 देशों के लिए आपातकालीन चेतावनी- कूटनीतिक भाषा में छिपा संदेश इसको समझने की करें तो,अमेरिकी विदेश विभाग की एडवाइजरी में जिन देशों का उल्लेख हुआ,उनमें खाड़ी के प्रमुख राष्ट्र सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,कुवैत, कतर, बहरीन और ओमान शामिल हैं।युद्धग्रस्त या सीधे टकराव में घिरे क्षेत्रों में लेबनान,इराक, यमन, सीरिया के साथ-साथ वेस्ट बैंक और गाज़ा जैसे क्षेत्र भी आते हैं। इसके अतिरिक्त पड़ोसी देश मिस्र और जॉर्डन भी इस चेतावनी के दायरे में हैं।इन देशों में से कई विशेषकर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अब तक अपेक्षाकृत सुरक्षित और स्थिर माने जाते रहे हैं। ऐसे में वहाँ से भी तत्काल निकासी की अपील यह संकेत देती है कि संघर्ष सीमित दायरे में रहने वाला नहीं है। हवाई मार्ग बंद होने की आशंका, बड़ी एयरलाइंस द्वारा उड़ानों का रद्द किया जाना और समुद्री मार्गों पर खतरे का बढ़ना ये सभी संकेत व्यापक सैन्य उथल- पुथल की ओर सटीक इशारा करते हैं।

साथियों बात अगर हम संघर्ष की जड़ें और विस्तार का स्वरूप इसको समझने की करें तो, ईरान और इज़राइल के बीच दशकों से वैचारिक और सामरिक शत्रुता रही है। परमाणु कार्यक्रम,मिसाइल तकनीक, और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को समर्थन ये सभी मुद्दे लंबे समय से तनाव के केंद्र में रहे हैं। जब अमेरिका खुलकर इज़राइल के साथ खड़ा दिखाई देता है और संयुक्त सैन्य ऑपरेशन की बात सामने आती है, तो यह टकराव सीधे महाशक्ति बनाम क्षेत्रीय शक्ति का रूप ले लेता है।इस संघर्ष की एक विशेषता यह है कि यह पारंपरिक युद्ध की सीमाओं को पार कर चुका है।ड्रोन,साइबर अटैक, लंबी दूरी की मिसाइलें और समुद्री नाकेबंदी ये सभी आधुनिक युद्ध के उपकरण एक साथ सक्रिय हैं। यदि यह टकराव लंबा खिंचता है, तो ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक व्यापार मार्ग और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत पर प्रभाव- कूटनीति, अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा इसको समझने की करें तो, भारत के लिए पश्चिम एशिया केवल एक भू- राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि ऊर्जा, प्रवासी भारतीयों और व्यापार का प्रमुख केंद्र है। लाखों भारतीय खाड़ी देशों में कार्यरत हैं। यदि वहां व्यापक युद्ध होता है, तो निकासी अभियान, ऊर्जा कीमतों में उछाल और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चुनौतियाँ सामने सटीक रूप से आ सकती हैं।दिल्ली एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का रद्द होना, खाड़ी देशों से भारतीयों की वापसी की शुरुआत, और सीबीएसई द्वारा बहरीन, यूएई तथा सऊदी अरब में परीक्षाएँ स्थगित करना ये घटनाएँ बताती हैं कि संघर्ष का प्रभाव सीधे भारत तक पहुंच चुका है। भारतीय विदेश मंत्रालय अलर्ट मोड में है और विभिन्न देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास तेज़ किए गए हैं।

साथियों बात अगर हम जम्मू-कश्मीर और आंतरिक संवेदन शीलता को समझने की करें तो,पश्चिम एशिया में किसी बड़े इस्लामी नेता की मृत्यु या बड़े सैन्य टकराव का असर भारत के संवेदनशील क्षेत्रों विशेषकर जम्मू कश्मीर में दिखाई दे सकता है। घाटी में बढ़ते प्रतिबंध और प्रदर्शनों की खबरें यह दर्शाती हैं कि अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ स्थानीय भावनाओं को प्रभावित कर सकती हैं। 2019 के बाद इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन देखे जाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर संकेत है।भारत सरकार के लिए चुनौती दोहरी है,एक ओर बाहरी भू-राजनीतिक संकट, दूसरी ओर आंतरिक कानून-व्यवस्था की स्थिरता बनाए रखना। किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक या राजनीतिक उग्रता को नियंत्रित करना इस समय अत्यंत आवश्यक है।ऊर्जा,अर्थव्यवस्था और वैश्विक बाजार यदि खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि हो सकती है।भारत जैसे ऊर्जा- आयातक देश के लिए यह आर्थिक दबाव बढ़ाने वाला होगा। महंगाई, चालू खाता घाटा और मुद्रा विनिमय दर पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में अस्थिरता और सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की मांग में वृद्धि सटीक रूप से देखी जा सकती है।

साथियों बात अगर हम कूटनीतिक संतुलन की आवश्यकता को समझने की करें तो, भारत की विदेश नीति पारंपरिक रूप से संतुलन पर आधारित रही है ईरान के साथ ऐतिहासिक संबंध, इज़राइल के साथ रणनीतिक सहयोग और अमेरिका के साथ बढ़ती साझेदारी। वर्तमान संकट में यह संतुलन बनाए रखना कठिन किन्तु आवश्यक होगा। खुलकर किसी एक पक्ष का समर्थन करना दीर्घकालिक हितों को प्रभावित कर सकता है।संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर शांति की अपील, मानवीय सहायता और निकासी अभियानों में सक्रिय भूमिका ये भारत की प्राथमिकताएँ हो सकती हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे ि? अनिश्चितता के युग में संयम की आवश्यकता,पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति विस्फोटक है, परंतु इसे सीधे तीसरे विश्वयुद्ध की घोषणा कहना जल्दबाजी होगी। इतिहास यह सिखाता है कि बड़े युद्ध अक्सर गलत आकलनों और कूटनीतिक विफलताओं का परिणाम होते हैं। यदि संवाद की संभावनाएँ जीवित रखी जाती हैं और क्षेत्रीय शक्तियाँ संयम बरतती हैं, तो व्यापक वैश्विक युद्ध टाला जा सकता है।फिर भी, आपातकालीन एडवाइजरी, उड़ानों का रद्द होना, सैन्य अभियानों की अवधि बढ़ाने की घोषणा और क्षेत्रीय संगठनों की सक्रियता ये सभी संकेत इस बात के हैं कि विश्व एक अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है।भारत सहित समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय सतर्क कूटनीति, आंतरिक स्थिरता और वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का है।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई। एजेंसी। मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

खाड़ी क्षेत्र तनाव से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, मूंगफली तेल में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संभावित हमलों के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा है। होर्मुज जलडमरूमुख से तेल और तिलहन के आयात पर असर की आशंका ने बाजार धारणा को मजबूत किया। विशेषकर सोयाबीन तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जो भारत में आयातित तेलों में सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सप्ताह सरसों की नई फसल की आवक बढ़ी, बावजूद इसके दाम मजबूत रहे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई की चिंताएं बनीं। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकारों द्वारा एमएसपी पर सरसों खरीद का ऐलान किसानों के लिए राहत का कारण बना। सरकारी स्टॉक को बढ़ाकर 20-25 लाख टन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कांडला बंदरगाह पर सूरजमुखी तेल 162 रुपए प्रति किलो और सोयाबीन रिफाइंड तेल 138 रुपए प्रति किलो रहे। सूरजमुखी तेल महंगा होने से दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में सोयाबीन तेल पर मांग बढ़ी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि सोयाबीन की बिजाई से पहले सरकारी स्टॉक को नियंत्रित रूप से जारी किया जाए, ताकि अक्टूबर में किसानों को बेहतर दाम मिल सकें। सरकारी एजेंसियों की मूंगफली की बिक्री के कारण मूंगफली तेल के दाम गिरावट पर रहे। गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और युद्ध की वजह से बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े। नवरात्र और शादी-विवाह के मौसम में बिनौला तेल की मांग बढ़ी। कमजोर आवक और मजबूत बाजार धारणा ने बिनौला तेल के दामों में सुधार किया। सूत्रों के मुताबिक बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,325-2,425 रुपये और 2,355-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 250-250 रुपये की तेजी के साथ क्रमश- 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दिल्ली में सोयाबीन तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 14,800 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 14,500 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह, सरकारी एजेंसियों की बिकवाली के कारण मूंगफली तेल तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। मूंगफली तिलहन 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,975-7,450 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 16,850 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 2,665-2,965 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सीपीओ तेल का दाम 575 रुपये के उछाल के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये के उछाल के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 650 रुपये के उछाल के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मांग बढ़ने और आवक कम रहने के अलावा नवरात्र और शादी विवाह के मौसम की मांग के कारण बिनौला तेल का दाम 650 रुपये का उछाल दर्शाता 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

तांबा महंगा होने, रुपया कमजोर पड़ने से 5-15 प्रतिशत बढी एसी की कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत की प्रमुख एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियां डाइकिन, वोल्टास, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनियों का कहना है कि तांबे जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की बढ़ी कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और माल ढुलाई खर्च में वृद्धि मुख्य कारण हैं। इसके अलावा नए ऊर्जा दक्षता मानकों के लागू होने से एसी और अधिक कुशल बने हैं, जिससे उत्पादन लागत भी बढ़ गई है। फरवरी से अप्रैल तक लागू होने वाली यह कीमत बढ़ोतरी गर्मी के मौसम से ठीक पहले हो रही है, जब एसी की मांग अपने चरम पर होती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि भीषण गर्मी और नए स्टार-रेटेड मॉडलों से बिजली की बचत की उम्मीद से इस साल बिक्री की गति मजबूत रहने वाली है। डाइकिन इंडिया ने अप्रैल से 12 फीसदी, ब्लू स्टार ने फरवरी में 8-10 फीसद और वोल्टास ने 5-15 फीसदी की बढ़ोतरी की। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत मूल्य समायोजन के लिए आवश्यक थी।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार में बढ़ा सकता है अस्थिरता

मुंबई। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी। यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

विदेशों में फंसे भारतीयों को लाने के लिए विशेष उड़ानें शुरू होंगी

नई दिल्ली ।एजेंसी। विदेश में फंसे भारतीय यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यूनाइटेड अरब एमिरात के विभिन्न शहरों में फंसे यात्रियों को भारत लाने के लिए अतिरिक्त उड़ानों का संचालन करने का फैसला किया है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एयरलाइनों ने विशेष व्यवस्था की है ताकि अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित वापस लाया जा सके। एयर इंडिया एक्सप्रेस भारत और यूएई के बीच लगभग 30 अतिरिक्त विशेष उड़ानें संचालित करेगी। ये उड़ानें दुबई, अबू धाबी, शारजहा और राज अली खैमहा से भारत के प्रमुख शहरों मुंबई, दिल्ली, कोच्ची और बेंगलुरु के बीच चलेंगी। वहीं एयर इंडिया भी दिल्ली और मुंबई से दुबई के लिए विशेष जंबो उड़ानें संचालित करेगी, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को एक साथ लाया जा सके। एयरलाइन के अनुसार जेद्दाह और मस्कट के ऊपर का हवाई क्षेत्र सुरक्षित और खुला है। इसलिए दिल्ली और मुंबई से जेद्दा के लिए नियमित उड़ानें बिना किसी बाधा के जारी रहेंगी। इसके अलावा मस्कट को दिल्ली, कोच्चि, कोझिकोड, मंगलुरु, मुंबई और कन्नूर जैसे शहरों से जोड़ने वाली सेवाएं भी सामान्य रूप से संचालित होंगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस ने विशेष प्रावधान किए हैं। जिन यात्रियों की उड़ानें हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण रद्द हुई हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के नई उड़ानों में रीबुकिंग करा सकते हैं। एयर इंडिया ने बताया कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली उड़ानें 2 मार्च से वैकल्पिक मार्गों से संचालित हो रही हैं।

भारत के कृषि निर्यात पर खतरा, पश्चिम एशिया में युद्ध से किसान प्रभावित

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध तनाव से भारत का लगभग 11.8 अरब डॉलर (1.06 लाख करोड़ रुपये) का कृषि और खाद्य निर्यात खतरे में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शिपिंग मार्गों में बाधाएं, बीमा लागत में तेजी और लॉजिस्टिक्स की अनिश्चितता ने पश्चिम एशिया को भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बाजार बना दिया है। भारत इस क्षेत्र को चावल, केला, प्याज, सब्जियां, दालें, मेवे, मसाले, कॉफी, चाय और डेयरी उत्पाद भेजता है। 2025 में भारत ने पश्चिम एशिया को 4.43 अरब डॉलर का चावल जो कुल वैश्विक चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है, भेजा। अनाज और मसाले का निर्यात 7.48 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा जायफल, इलायची और जावित्री का 295.5 मिलियन डॉलर, जीरा और धनिया का 163 मिलियन डॉलर, हल्दी और अदरक का 173 मिलियन डॉलर, कॉफी 240.7 मिलियन डॉलर और चाय 410.1 मिलियन डॉलर निर्यात हुआ। प्रोसेस्ड फूड और कोको उत्पाद का कारोबार 1.35 अरब डॉलर तक पहुंचा, जबकि मछली और मांस 1.81 अरब डॉलर रहा। डेयरी उत्पादों का 28.9 प्रतिशत (281.1 मिलियन डॉलर) निर्यात इसी क्षेत्र में गया। मादक और गैर-मादक पेय में भारत की निर्भरता और अधिक है, क्योंकि कुल निर्यात का 43.3 प्रतिशत पश्चिम एशिया खरीदता है। विशेषज्ञों के अनुसार युद्ध से सबसे बड़ी चुनौती बीमा लागत और शिपिंग रूट में आई बाधाएं हैं। जहाजों का लंबा और सुरक्षित मार्ग चुनना महंगा हो गया है। ताजे फल, सब्जियां और मसाले लंबे समय तक यात्रा नहीं सह सकते, जिससे करोड़ों रुपये का माल खराब होने का खतरा है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के किसानों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। अगर तनाव जल्द कम नहीं होता, तो यह सिर्फ निर्यात आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के आम किसान और कृषि उद्योग भी नुकसान उठाने को मजबूर होंगे। पश्चिम एशिया, जो भारत का प्राकृतिक और बड़ा बाजार है, अब युद्ध के कारण अस्थिर और चुनौतीपूर्ण बन गया है।

मेष- आज का दिन आपको अपने खर्चों को समझदारी से संभालने की सलाह देता है। यदि आप पहले से ही एक अच्छा बजट बनाकर चलेंगे, तो आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रहेगी और अनावश्यक परेशानियों से भी बचाव होगा। आपके मन में प्रेम, सहयोग और त्याग की भावना बनी रहेगी, जिसके कारण आप परिवार और अपनों के लिए कुछ त्याग भी कर सकते हैं। हालांकि यदि आपको किसी प्रकार की शारीरिक परेशानी महसूस हो, तो उसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। समय रहते स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी रहेगा।

वृषभ- आज आप अपनी आय को बढ़ाने के नए रास्तों पर खास ध्यान देंगे और भविष्य को सुरक्षित बनाने की योजना बनाएंगे। निवेश के मामले में भी आपका मन सक्रिय रहेगा और विशेष रूप से शेयर मार्केट में किया गया निवेश आगे चलकर अच्छा लाभ दे सकता है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन शुभ संकेत दे रहा है और उन्हें किसी नई योजना या अवसर का लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपके काम से काफी प्रसन्न रहेंगे, क्योंकि आप अपने दायित्वों को पूरी लगन और मेहनत के साथ निभाएंगे।

मिथुन- आज का दिन आपको हर काम सोच-समझकर और सावधानी से करने की सलाह देता है। यदि पिछले कुछ समय से आपके करियर में कोई समस्या या रुकावट चल रही थी, तो आज उसमें सुधार देखने को मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन से आपके बॉस भी प्रभावित होंगे और संभव है कि वे आपको किसी नए पद या जिम्मेदारी के लिए विचार करें।

कर्क- आज आप अपने आसपास के लोगों का विश्वास जीतने में सफल रहेंगे। आपका व्यवहार और आपकी ईमानदारी लोगों को प्रभावित करेगी, जिससे समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य भी आज आपका पूरा साथ देगा और कई काम बिना ज्यादा मेहनत के भी पूरे होते नजर आएंगे। आपके सम्मान और साख में वृद्धि होगी और यही बात आपके आत्मविश्वास को और मजबूत बनाएगी।

सिंह- आज आपको अपने कामों के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही नहीं दिखानी चाहिए। विशेष रूप से व्यापार से जुड़े लोगों को हर निर्णय सोच-समझकर लेना होगा। स्वास्थ्य के मामले में भी अपनी आंखों का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। संभव है कि आज आपकी कोई पुरानी गलती सामने आ जाए, जिससे आपको थोड़ी असहज स्थिति का सामना करना पड़े।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी बड़ी उपलब्धि का संकेत दे रहा है। लंबे समय से जिस काम को लेकर आप मेहनत कर रहे थे, उसमें सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य जीवन में यदि कुछ समय से तनाव या मतभेद चल रहे थे, तो आज आप दोनों मिलकर उन्हें सुलझाने का प्रयास करेंगे और रिश्ते में फिर से मधुरता आएगी।

तुला- आज का दिन आपको मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कामकाज में आपको पूरी लगन दिखानी होगी और छोटी-छोटी बातों में भी ध्यान देना होगा। यदि कोई छोटा व्यक्ति गलती कर देता है, तो उसे डांटने के बजाय बड़े दिल से माफ करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके भीतर छिपी कला और प्रतिभा को निखारने का अवसर देगा। आप अपने कौशल को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे और इसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेगा। दिन के दौरान आप अपने करीबी लोगों के साथ समय बिताएंगे, जिससे रिश्तों में और भी मजबूती आएगी। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस भी आपके व्यवहार और काम से प्रसन्न रहेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परिवार से जुड़े मामलों पर आपको विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी, क्योंकि आपके निर्णय पूरे परिवार को प्रभावित कर सकते हैं। किसी भी काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय खुद आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर- आज का दिन सामान्य रूप से बीतने वाला है, लेकिन कुछ नए संपर्क आपके लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं। आप अपने बड़ों की सेवा और सम्मान के लिए भी समय निकालेंगे, जिससे परिवार में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी भी निर्णय को केवल भावनाओं में बहकर लेने से बचें, क्योंकि बाद में वही निर्णय पछतावे का कारण बन सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खुशी और आनंद से भरा रहने वाला है। आपके जीवन स्तर में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा और आपको अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। हालांकि किसी भी निर्णय को भावनाओं के प्रभाव में आकर लेने से बचना जरूरी होगा। आज आपके धन-धान्य में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज आप अपने कामों को पूरे आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाएंगे। आपके प्रयासों को देखकर आपके बॉस भी प्रभावित होंगे और आप उनका भरोसा जीतने में सफल रहेंगे। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम आज पूरा हो सकता है, जिससे आपके मन में खुशी और संतोष की भावना आएगी।

शब्दजाल - 8192

शब्द जाल में 10 शीर्ष बल्लेबाजों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

ब्रा	य	न	ला	रा	द	जै	क्स	का	लि	स
दा	वि	ल	ग	व	रा	हु	ल	द्र	वि	ड़
गि	म	हे	ला	ज	य	व	र्ध	ने	क	क
री	इं	र	स	चि	न	तें	दु	ल	क	र
मै	खु	ज	कु	लू	लं	का	यु	ग	व	ए
थ्यू	द	ल	मा	य	ख	पू	व	हि	र	ड
है	लो	म	र	म	प	र	रा	र	र	म
ड	र्ज	ल्जा	सं	धा	उ	क	ज	लो	श	गि
न	बा	म	ग	ब्रा	ह	ल	सिं	श	प	ल
तें	दु	आ	का	व	जी	र्त	ह	बें	हा	क्रि
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	क	प	स्ट

सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, एडम गिलक्रिस्ट, राहुल द्रविड़, मैथ्यू हैडन, महेला जयवर्धने, इंजमाम उल हक, कुमार संगकारा, जैक्स कालिस, युवराज सिंह

शब्दजाल - 8191 का हल

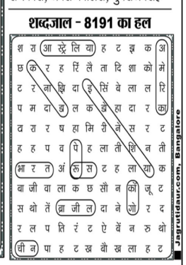

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7136

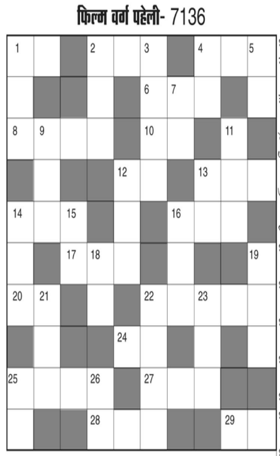

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7135

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

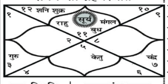

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.36 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	08.06 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.46 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.14 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.51 ब.से
राहुकाल		धनु	01.07 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	03.13 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.59 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 68 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 23.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 16.12 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 07.36 बजे को समाप्त।
करण गर 10.17 बजे तदनन्तर वणिज 23.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872643
जूलियन दिन 2461108.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 19
विशेष एकनाथ छठ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रेम का बल

एक मां अपने बेटे की शरारतों से बहुत परेशान रहती थी। वह अपने बेटे को समझाने के लिए उस पर बहुत गुस्सा करती थी लेकिन बच्चा कोई बात नहीं समझता था। बच्चे की हरकतों से वह परेशान रहने लगी। एक दिन वह अपने बेटे को लेकर एक फकीर के पास गई। उसने फकीर से कहा, 'मेरा बेटा बहुत शरारतें करता है। यह उपद्रवी है, आप अगर इसे थोड़ा डरा दें तो हो सकता है, यह ठीक हो जाए।' फकीर ने जब यह सुना तो वह खड़ा होकर अपनी आंखें निकालकर इतनी जोर से चिल्लाया कि वह बच्चा तो भय के मारे भाग ही गया, उसकी मां भी घबराकर बेहोश हो गई। थोड़ी देर बाद बच्चा अपनी मां के पास लौटा। तब तक मां को भी होश आ गया था। मां ने होश में आने पर फकीर से कहा, 'आपने तो हद ही कर दी। मैंने आपसे इतना डराने के लिए तो नहीं कहा था।' फकीर ने कहा, 'भय का कोई पैमाना नहीं होता। भय तो भय होता है। जब भय दिखाया जाता है तो पता ही नहीं चलता कि उसे कहां रोका जाए।' मां बोली, 'मैंने तो बच्चे को डराने के लिए कहा था, आपने तो मुझे भी डरा दिया।' फकीर बोला, 'भय जब प्रकट होता है तो ऐसा नहीं हो सकता कि वह एक को डराए, दूसरे को न डराए। तुम्हारी क्या बात करें, मैं तो स्वयं भयभीत हो गया था। देखो, जहां भय है वहां प्रेम पैदा नहीं हो सकता। इसलिए अब कभी भी अपने बच्चे को भयभीत करने की कोशिश न करना। सुधारने का काम डर से नहीं, प्रेम से होता है। प्रेम का बल डर के बल से बहुत अधिक होता है। बच्चे को सही रास्ते पर लाना है तो उसके प्रति स्नेह का व्यवहार करो।' उस दिन के बाद मां ने बच्चे पर कभी गुस्सा नहीं किया। अब वह उसे सभी बातें प्यार से समझाने लगी।

सूडोकु नवताल- 7445

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7444 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8660

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8659 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अवकाश में भी एटीएम मशीनें चालू रहे ऐसी व्यवस्था हो-ग्राहकों की मांग

रिपोर्टर। पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर जहां साप्ताहिक बाजार के दिन हजारों लोग ग्रामीण क्षेत्रों से खरीददारी करने के लिये आते है। ग्रामीण जनों को खरीददारी करने के लिये नगदी रूपये पैसे की अनेकों जगह आवश्यकता होती है लेकिन लांजी नगर में संचालित भारतीय स्टेट बैंक और सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया इन दोनो बैंको के द्वारा लगाये गये एटीएम बंद पड़े रहते है। लांजी नगर में दिन रविवार को साप्ताहिक बाजार का दिन होता है ऐसे मे संपूर्ण लांजी क्षेत्र के ग्रामीण जन लांजी पहुंचकर खरीददारी करते है उसके पूर्व वे नगदी रूपये पैसे के आहरण के लिये एटीएम का रूख करते है लेकिन उन्हे निराशा ही हाथ लगती है क्योंकि रविवार को जहां बैंको का अवकाश रहता है वहीं एटीएम का भी अवकाश दिखाई देता है। ऐसे में नगदी आहरण करने वाले उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं स्टेट बैंक एवं सेंट्रल बैंक के अलावा जो प्राईवेट एटीएम मशीन लगाई गई है उन्हें आहरण के लिये अधिक पैसों का भुगतान करना पड़ता है जो कि आर्थिक रूप से भी उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीण जनों ने इस विषय पर प्रशासनिक हस्तक्षेप किये जाने की बात कहते हुये कहा कि लांजी में रविवार का दिन साप्ताहिक बाजार का होता है ऐसे में हजारो लोग लांजी खरीददारी करने के लिये आते है लेकिन एटीएम मशीनें बंद होने के चलते मन पूर्वक खरीददारी नही कर पाते इसलिये रविवार को सभी राष्ट्रीकृत बैंको के एटीएम मशीनें प्रारंभ रहनी चाहिये। इसके अलावा उपभोक्ताओं ने इस विषय पर भी ध्यान आकर्षिक करवाया है कि एटीएम मशीनों के प्रारंभ नही होने से निजी कियोस्क सेंटर पर जाकर आधार कार्ड की सहायता से पैसे आहरण करना होता है उसमे भी पैसे निकालने के बदले प्रति सैकड़ा अनुसार रूपये पैसे देने होते है जो भी एक प्रकार से आर्थिक बोझ डालना ही है। स्थानीय प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर रविवार साप्ताहिक बाजार के दिन एटीएम मशीन प्रारंभ रखे जाने हेतु आदेश जारी करना चाहिये ताकि ग्रामीण जनो को परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

शारदा महिला मण्डल ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को नगर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यो में अग्रणी संस्था शारदा महिला मण्डल के द्वारा नारी सम्मान एवं जागरूकता का संदेश देते हुये महिला दिवस का आयोजन किया गया साथ ही होली मिलन समारोह का भी आयोजन महिला मण्डल ने किया। इस अवसर पर महिला मण्डल की सदस्यों के द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीममती उषा देवी पशीने ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए आयाम स्थापित कर रही हैं। शिक्षा, समाज सेवा, प्रशासन, खेल और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, जो समाज के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला मंडल की सदस्यों द्वारा महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया। साथ ही महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आने का आह्वान किया गया। सभी उपस्थित सदस्यो के द्वारा एक-दूसरे को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा समाज में महिलाओं के सम्मान और समान अधिकारों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महिला मण्डल सदस्यों के द्वारा अध्यक्ष श्रीमती उषा देवी पशीने का समाज में बेहतर सहभागिता के लिये शॉल श्री फल भेंट सम्मानित किया गया। इसके पश्चात सभी महिला मण्डल की सदस्यो के द्वारा अपनी परंपरा को निभाते हुये प्रतिवषानुसार इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाकर सभी को गुलाल एवं फुलो की बारिश कर एक दुसरे को होली पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित की गई। इस दौरान प्रमुख उषा देवी पशीने, सुशीला दुग्गड़, उमा तिवारी, शिखा गोस्वामी, सुनीता रॉय, भगवती कर्राहे, मंजू नारंग, उर्मिला अग्रवाल, मीना बिलगौर, अनिता रामटेक्कर, अनिता अग्रवाल, अधिवक्ता बबीता पशीने, पद्मा शर्मा, अंजली रैंच, कल्पना पशीने, सरिता श्रीवास्तव, किरण तिवारी, अंजू पशीने सहित अन्य महिला सदस्य गण उपस्थित रही।

अफवाहों के चलते पेट्रोल पंपों पर बढी अचानक भीड़

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने कहा- मप्र में है पर्याप्त स्टॉक

भोपाल। मध्यप्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में सोशल मीडिया पर अफवाहों के चलते पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ देखी जा रही है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के चलते नागरिकों में ईंधन की कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। आमजनों के चिंताओं को दूर करने पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने साफ किया है कि मध्यप्रदेश में फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। एसोसिएशन ने लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दी गई है। मध्य प्रदेश में मांग को पूरा करने के लिए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार है। यह जानकारी मध्य प्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने दी है। एसोसिएशन के अनुसार, मध्य प्रदेश में रोजाना पेट्रोल की खपत करीब 1200 मीट्रिक टन और डीजल की खपत करीब 1600 मीट्रिक टन है। कंपनियां हर साल की खपत के हिसाब से स्टॉक रखती हैं और आमतौर पर पिछले वर्ष की तुलना में 8 से 10 प्रतिशत अधिक आपूर्ति की योजना बनाकर चलती हैं। पेट्रोल पंपों पर करीब 4-5 दिन का, डिपो में लगभग 8 दिन का और पाइपलाइन में करीब 10 दिन का स्टॉक उपलब्ध रहता है। इसके अलावा टर्मिनल में लगभग एक महीने का भंडार रहता है और रिफाइनरी स्तर पर भी करीब 30 दिन का अतिरिक्त स्टॉक मौजूद रहता है।यदि इजरायल-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से ईंधन प्रवाह बाधित रहता है, तो उपयोग के आधार पर मध्य प्रदेश में ईंधन भंडार 60 से 90 दिनों तक चल सकता है। मध्य प्रदेश में 3,700 पेट्रोल पंप हैं। मध्य प्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। डिपो में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और अगले तीन से चार महीने तक बिना किसी बाधा के आपूर्ति की जा सकती है। कंपनियां हर साल की खपत के हिसाब से स्टॉक रखती हैं। उन्होंने बताया कि यदि लोग अफवाहों के कारण अचानक ज्यादा मात्रा में ईंधन लेने लगें तो अस्थायी दबाव बन सकता है, लेकिन सामान्य स्थिति में सप्लाई की पूरी व्यवस्था रहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की है। मंत्रालय में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव खाद्य रश्मि अरुण शमी ने ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के स्टॉक की स्थिति पर चर्चा की। सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान खपत के अनुसार पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति सामान्य बनी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला अधिकारी - कर्मचारियों का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के आमगांव मार्ग पर निर्माण इंस्ट्यूट में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लांजी की नवांकुर संस्था स्पोर्ट्स एंड स्काउट्स गाइड्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सशक्त पहचान बनाने वाली महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपनिरीक्षक श्रीमती विधि पांडे ने प्रस्फुटन समिति, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों तथा मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। रूढ़िवादी प्रथाएं अब लगभग समाप्त हो चुकी हैं और महिलाओं को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज उच्च पदों पर जिम्मेदारी निभा रही हैं, इसलिए यदि हम लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें तो सफलता अवश्य मिलती है। सहायक विकासखंड प्रबंधक सुश्री सुनीता चन्ने ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महाभारत और रामायण जैसे युद्ध भी महिला सम्मान की रक्षा के लिए हुए थे। शास्त्रों में भी महिलाओं के महत्व का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं रिक्शा चलाने से लेकर फाइटर जेट उड़ाने तक हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। यदि महिला ठान ले तो वह हर कार्य कर सकती है। उन्होंने महिलाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप आचरण करते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही लांजी थाने से महिला आरक्षक प्रीति ने महिला सुरक्षा एवं महिला हेल्प लाइन नंबर के बारे में जानकारी दिया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक संतोष नागपुरे ने जन अभियान परिषद की समितियों एवं बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू में प, व शि त विद्यार्थियों में महिलाओं की लगभग 80 प्रतिशत भागीदारी पर बधाई दी। वहीं विजय हटिले ने संविधान में महिलाओं को दिए गए अधिकारों की जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता संदीप रामटेककर द्वारा किया गया। इस अवसर पर लवकुश यादव, कैलाश ब्रम्हपुरे , रामेश्वरी ठोमरे, सरस्वती यादव, पिंकी अग्रवाल, खेमदास गिरिया, प्रस्फुटन समिति के सदस्य तथा एमएसडब्ल्यू-बीएसडब्ल्यू की छात्राएं और मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

मप्र में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की प्रक्रिया होगी आसान

भोपाल। एजेंसी। भोपाल सहित पूरे मध्यप्रदेश में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पा रही है। इसी स्थिति को देखते हुए परिवहन विभाग ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रस्तावित बदलाव के तहत अब नई हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए आवेदन करते समय मोबाइल नंबर देना अनिवार्य नहीं रहेगा। विभाग का मानना है कि मोबाइल नंबर अपडेट करने और ओटीपी से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के कारण कई वाहन मालिक आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते एचएसआरपी लगाने का अभियान प्रभावित हो रहा है। इसलिए आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाने की तैयारी की जा रही है।

प्रदेश में बड़ी संख्या में वाहन अभी भी बिना एचएसआरपी

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार राज्य में लगभग 63 लाख वाहनों में अभी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगनी बाकी है। हालांकि, अब तक करीब 28 लाख वाहनों में ही यह प्लेट लग पाई है। अभियान की गति बढ़ाने के लिए विभाग लगातार नियमों में बदलाव कर रहा है और वाहन मालिकों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

ग्रामीण और बाहरी क्षेत्रों में आधंक समस्या

विभागीय सूत्रों के अनुसार सबसे ज्यादा दिक्कत ग्रामीण इलाकों और शहरों के बाहरी क्षेत्रों में सामने आ रही है। कई वाहन मालिकों के मोबाइल नंबर वाहन के रिकॉर्ड से लिंक नहीं हैं, जबकि कई मामलों में ओटीपी से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी सामने आई हैं। इन्हीं कारणों से आवेदन प्रक्रिया बीच में ही रुक जाती है और लोग नंबर प्लेट लगवाने से वंचित रह जाते हैं। अब मोबाइल नंबर की अनिवार्यता खत्म करने से वाहन मालिकों को आवेदन करने में काफी सुविधा मिल सकेगी।

वाहन मालिकों से जल्द प्लेट लगवाने की अपील

परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवा लें। इससे वाहन की पहचान अधिक सुरक्षित और आसान हो जाती है। साथ ही यदि वाहन चोरी हो जाए या किसी अपराध में उपयोग हो, तो उसकी पहचान और पता लगाने में भी यह प्लेट काफी सहायक साबित होती है।

इस तरह कर सकते हैं आवेदन

वाहन मालिक परिवहन विभाग की वेबसाइट बुक माई एचएसआरपी पोर्टल के माध्यम से हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी परिवहन सेवा केंद्र पर जाकर भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। आवेदन करते समय वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) देना आवश्यक होगा। इसके साथ ही आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी जैसे फोटो पहचान पत्र की भी जरूरत होगी। इसके अलावा पुरानी नंबर प्लेट से संबंधित जानकारी भी देनी होगी। आवेदन पूरा होने के बाद निर्धारित समय पर वाहन लेकर संबंधित केंद्र पर जाना होगा, जहां पुरानी नंबर प्लेट हटाकर नई हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगा दी जाएगी।

7 जिलों में निरीक्षण के बाद सख्त कार्रवाई

भोपाल। एजेंसी। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। विभाग ने सात जिलों में निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अमानक काम पाए जाने पर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने, कंसलटेंट के खिलाफ कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण रिपोर्ट की समीक्षा मध्यप्रदेश सडक़ विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और निरीक्षण दल के सदस्य शामिल हुए। समीक्षा के दौरान भिण्ड जिले के उदोतगढ़ में निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और आवासीय भवनों का काम संतोषजनक नहीं पाया गया। इस पर संबंधित ठेकेदार मेसर्स जय कैला देवी कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुरैना को ब्लैकलिस्ट करने और कंसलटेंट एनोवियस कंसल्टेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल के खिलाफ कार्रवाई व वसूली के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

35 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर निरीक्षण

लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने सीहोर, पांढुर्णा, भिण्ड, बड़वानी, मऊगंज, उज्जैन और पन्ना जिलों में निर्माण कार्यों की जांच की। इस दौरान कुल 35 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर उनकी गुणवत्ता और प्रगति की जांच की गई। इनमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सडक़ और पुल) के, 5 कार्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई (भवन) के, 6 कार्य मध्यप्रदेश सडक़ विकास निगम, 2 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम तथा 1 कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित थे।

20 निर्माण कार्यों में मिली खामियां, सुधारने के निर्देश

इसके अलावा निरीक्षण के दौरान 20 अन्य निर्माण कार्यों में भी खामियां पाई गईं, जिन्हें जल्द सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निरीक्षण से संबंधित प्रतिवेदनों का पालन सुनिश्चित करें और सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध समाधान करें। साथ ही पुल-पुलियों की मरम्मत को प्राथमिकता से पूरा करने और जहां उनकी स्थिति खतरनाक है, वहां नए प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया, ताकि मानसून से पहले जरूरी कार्य पूरे हो सकें।

देश भर के लिए रोल मॉडल बना-टेबल टॉप मार्किंग

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश के नौरादेही में बनी रेड रोड 'टेबल टॉप मार्किंग' देश भर के लिए रोड माडल बन रही है। जंगली जानवर और एक्सीडेंट को कम करने के लिए करीब दो किलोमीटर तक बनी रेड रोड जल्द ही देश के कई और राज्यों में भी नजर आएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अन्य प्रदेशों के अधिकारी इस रोड के लिए संपर्क कर रही है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,पंजाब और चैन्नई सहित कई अन्य राज्यों के अधिकारी जल्द ही नौरादेही में बनी रोड का निरीक्षण करने आ रहे हैं। माना जा रहा है कि टेबल टाप मार्किंग रोड बनने के बाद ना सिर्फ दुर्घटनाओं में पूरी तरह से कमी आई है, बल्कि जंगली जानवरों की मौत भी नहीं हुई है। नौरादेही में अक्टूबर 2025 को टेबल टॉप मार्किंग रेड रोड को तैयार किया गया था। जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नौरादेही अभयारण्य के 12 किलोमीटर लंबे डेंजर जोन को सुरक्षित बनाने के लिए हाईवे में विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, जो देश में पहली बार इस तरह की रोड बनाई गई है। दरअसल इस इलाके में सैकड़ों हिरन, नीलगाय और अन्य वन्य जीव विचरण करते हैं। जहां पहले टू लेन सडक़ पर तेज रफ्तार वाहन अक्सर जानवरों से टकरा जाते थे। कई बार सडक़ दुर्घटनाएं भी होती थीं। इसी खतरे को देखते हुए एनएचआई ने अब फोर लेन निर्माण के साथ तकनीक आधारित सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। एनएचएआई ने 12 किलोमीटर लंबे जंगली इलाके में से दो किलोमीटर के संवेदनशील हिस्से में सडक़ की सतह पर 5 एमएम मोटी रेड कलर मार्किंग की है, जिसे 'टेबल टॉप मार्किंग' नाम दिया गया है। इस लेयर की वजह से वाहन गुजरते समय हल्के झटके महसूस होते हैं, जो चालक को गति नियंत्रित रखने के लिए सचेत करते हैं। बता दें कि लाल रंग पहले से ही खतरे का संकेत माना जाता है। ऐसे में ड्राइवर मनोवैज्ञानिक रूप से भी लाल रंग को देखते ही गाड़ी की रफ्तार अपने आप कम कर लेता है।

अक्टूबर 2025 में जैसे ही रेड रोड बनकर तैयार हुई तो इसे एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने नाम दिया टेबल टाप मर्किंग। सोशल मीडिया में कुछ ही दिनों के भीतर यह रोड इस तरह से वायरल हुई कि देश भर की नजरें इस पर आकर थम गईं।

2021 में काम शुरू, 2025 में पूरा हुआ

टेबल टॉप मार्किंग के लिए सडक़ के दोनों और वाइट कलर की पैवर शोल्डर लाइन 5 एमएम मोटाई के साथ बनाई गई है। वाहन चालक को अगर गाड़ी चलाते समय नींद आ जाए या वाहन किनारे की ओर खिसकने लगे तो झटके के कारण चालक तुरंत सतर्क हो जाता है। एनएचआई का मानना है कि भविष्य में इस मार्ग को ब्लैक स्पॉट बनने से रोकने में यह स्कीम बहुत कारगार साबित होगी। वाइल्डलाइफ विभाग से 12 किमी फोर लेन निर्माण की अनुमति 2020 में मिली थी। 2021 में काम शुरू हुआ और 2025 तक परियोजना पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि टू लेन को फोर लेन में बदलने पर वाहन गति स्वत: बढ़ जाती है, जिससे दुर्घटनाएं भी बढने की आशंका रहती है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दिल्ली दरबार पहुंची निगम-मंडलों में नियुक्ति की सूची

भोपाल। मप्र में करीब दो साल के इंतजार के बाद नेताओं को राजनीतिक नियुक्ति की आस जगी है। निगम-मंडल-प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए सूची तैयारी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि सत्ता-संगठन ने सूची तैयार करके दिल्ली भेज दी है। अब आलाकमान तय करेगा की किसको अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कुर्सी मिलेगी। जानकारी के अनुसार, मप्र सरकार 15 मार्च के बाद सरकारी संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर सकती है। जानकारों की मानें तो इन पदों पर पार्टी ऐसे कार्यकर्ताओं को बैठाने की तैयारी में है, जो पार्टी संगठन की नजर में समर्पित और बेहतर काम करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि सूची से सिफारिशी नेताओं के नाम काट दिए गए हैं।

गौरतलब है कि इन दिनों भाजपा राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी बिहार से राज्यसभा प्रत्याशी हैं। इसी दौरान बिहार में भी सत्ता परिवर्तन का दौर चलेगा, जिससे भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व व्यस्त रहेगा। राज्यसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा नेतृत्व मध्यप्रदेश के निर्णयों पर गौर करेगा। सूत्रों की मानें तो इसके बाद ही सरकारी संस्थाओं पर राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ होगा। जानकारों की मानें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर नितिन नबीन की ताजपोशी के बाद प्रदेश के निगम मंडल की सूची नए सिरे से तैयार की गई है। इस सूची को लेकर पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पार्टी अध्यक्ष के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मंत्रणा हो चुकी है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह सहित दूसरे नेताओं ने भी सीएम व प्रदेशाध्यक्ष के साथ चर्चा की है। इसके बाद आंशिक संशोधन के बाद सूची को एक बार फिर से दिल्ली भेजा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि 15 मार्च के बाद इन सूचियों पर मुहर लगनी शुरू हो जाएगी और पार्टी को जिन नेताओं को उपकृत करना है, उनके नामों की घोषणा हो जाएगी।

लंबे समय से टल रहा निर्णय

बता दें, कि लोकसभा चुनाव के बाद से ही इन नियुक्तियों को लेकर चर्चा चल रही थी। कई बार सूची तैयार होने की बात सामने आई, लेकिन अंतिम निर्णय टलता रहा। अब माना जा रहा है कि इसी माह कभी भी इस संबंध में आधिकारिक रूप से सूची जारी की जा सकती है। भाजपा बचे

हुए मोर्चो की कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी, मंडल पदाधिकारियों, एल्डर मैन समेत अन्य पदों पर नियुक्ति के आदेश जल्द जारी करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आगामी नगरीय निकाय और अन्य चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक संतुलन बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। ऐसे में इन नियुक्तियों को रणनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। उधर, मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें जारी हैं। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल का विस्तार तय माना जा रहा है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी नहीं होगी और इसके लिए करीब दो से तीन महीने का समय लग सकता है।

अप्रैल में होगी मप्र भाजपा की पहली कार्यसमिति बैठक

मप्र भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक अप्रैल में होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हर तीन महीने में नियमित रूप से आयोजित की जा सकती है। ये बैठकें पहले की तरह राज्य के अलग-अलग अंचलों में आयोजित की जाएंगी। पार्टी के जानकारों की मानें तो सरकार भी इन बैठकों के साथ मंत्रिपरिषद की बैठक भी बुला सकती है। इसमें अहम निर्णय लिए जा सकते हैं। बताया गया है कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद जिला और मंडलों की भी कार्यसमिति बैठक आहुत की जाएगी। इन स्तरों की पहली बैठकें प्रदेश कार्यसमिति के बाद बुलाई जाएगी। लेकिन अगली बार से पहले मंडल और जिला कार्यसमितियों की बैठक होगी और उसके बाद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बुलाई जाएगी। जानकारों की मानें तो प्रदेश संगठन ने तय किया है कि उनके दल के विधायक अपने प्रतिनिधि के तौर पर सीमित लोगों की नियुक्ति कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश संगठन जल्द ही गाइडलाइन जारी करेगा। इसमें विधायक प्रतिनिधि के रुप में उन्हीं कार्यकर्ताओं को पदस्थ किया जाएगा, जो पार्टी के प्रति समर्पण भाव से काफी समय से काम करते आ रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे भी कार्यकर्ता हो सकते है, जो संघ की पृष्ठभूमि से आते है। बताया गया है कि विधायकों से कहा जाएगा कि वे गाइडलाइन के आधार पर नए सिरे से अपने प्रतिनिधि नियुक्ति करें और उसकी सूचना पार्टी मुख्यालय को भी दी जाये।

राज्यसभा के लिए नाम पर होगा मंथन

सूत्रों की मानें तो प्रदेश भाजपा मध्यप्रदेश से राज्यसभा की खाली हो रहीं दो सीटों के लिए अपने संभावित प्रत्याशियों को लेकर भी जल्द मंथन कर सकती है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी का कार्यकाल अप्रैल माह में समाप्त हो रहा है, जबकि केंद्रीय राज्य मंत्री का कार्यकाल जून माह में समाप्त होगा। विधानसभा में संख्या बल के आधार पर ये दोनों सीटें भाजपा को मिलना तय है।

निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च से होंगे शुरू

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च प्रारंभ होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लाटरी के माध्यम से दो अप्रैल को किया जाएगा। इस संबंध में समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। साथ ही सभी जिला कलेक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों को विस्तृत निर्देश भी प्रदान किए गए हैं। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आरटीई पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं।

मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन नौ मार्च से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता संबंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा। वहीं नर्सरी/केजी-1/ केजी-2 कक्षाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु तीन से साढ़े चार वर्ष एवं पहली कक्षा में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष से अधिक से साढ़े सात वर्ष तक निर्धारित की गई है।

14 से 30 मार्च तक दस्तावेजों का सत्यापन होगा

ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा।14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केंद्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा। आवेदक ने आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश के लिए जिस कैटेगरी / निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है। उस कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जाएगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी।

गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल। गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के विरोध में जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोशनपुरा चौराहे पर महंगाई को लेकर जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में 'महंगाई का इंजेक्शन' लिखे पोस्टर लेकर विरोध जताया और गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को आम जनता पर बोझ बताया।प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी शामिल हुईं। महिलाओं ने कहा कि घर का बजट चूल्हे से शुरू होता है और गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों ने परिवारों की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर डाला है।

सरकारी जमीन से मदरसे, फैक्ट्री और मांस की दुकानें हटेंगी

भोपाल । प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र में शासकीय जमीन पर हुए अवैध कब्जों को सख्ती के साथ हटाने के निर्देश दिए हैं। श्री सारंग ने कल वार्ड 69, 70 और 71 का दौरा कर अधिकारियों के साथ मौके पर निरीक्षण किया और सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण, मदरसे, फैक्ट्री और मांस की दुकानों को हटाने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग को क्षेत्र के नागरिकों से लगातार अवैध अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के चलते वे खुद मौके पर पहुंचे और नगर निगम, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरकारी जमीन पर हुए कब्जों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय भूमि पर बने अवैध निर्माणों को किसी भी तरह का बिजली या पानी का कनेक्शन नहीं दिया जाए। यदि पहले से कनेक्शन दिए गए हैं तो उन्हें तुरंत हटाया जाए। साथ ही यह भी जांच की जाए कि किन अधिकारियों की अनुमति से ऐसे कनेक्शन जारी किए गए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग गुप्ता कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी और शहंशाह गार्डन क्षेत्र पहुंचे। यहां स्थानीय लोगों से चर्चा में कई जगहों पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और बिना अनुमति संचालित गतिविधियों की जानकारी सामने आई। इस पर उन्होंने अधिकारियों को ऐसे सभी अतिक्रमणों को चिन्हित कर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने नगर निगम, राजस्व और पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने क्षेत्रीय नागरिकों को भरोसा दिलाया कि नरेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अतिक्रमण को पनपने नहीं दिया जाएगा।

फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी बनाकर प्लाट बेचने वाले जालसाजो को 3-3 साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी का उपयोग करके प्लॉट बेचने के मामले में भोपाल की अदालत ने तीन आरोपियों को 5-5 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने सुनाते हुए फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी तैयार कर कोहेफिजा का एक प्लाट 43 लाख रुपए में फरियादी शबनम जहां पत्नी डॉक्टर मलिक इस्लाम को बेचने के मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपी फरनाज साद, उसके पति साद इफ्तेखार उर्फ गोल्डी और आगा मोहममद खान को दोषी करार दिया। कोर्ट ने तीनो आरोपियो को 3 साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की और से पैरवी अपर लोक अभियोजक अनिल शुक्ला ने की।

- यह था मामला

जानकारी के अनुसार मामला 26 अप्रैल 2018 से 18 सितंबर 2019 के बीच कोहेफिजा थाना इलाके का है। मामले में फरियादिया शबनम जहां ने अपनी शिकायत में बताया था की उनके पति को आरोपी आगा मोहम्मद खान ने साद इफ्तेखार से मिलवाया था। साद इफ्तेखार की पत्नी फरनाज इफ्तेखार ने पॉवर ऑफ अटार्नी के जरिए एक आवासीय प्लॉट बी-23, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोहेफिजा, भोपाल में प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र कुमार अग्रवाल से खरीदा गया। इसे बेचने के लिए शबनम के पति को दिखाया गया था। दस्तावेज मांगे जाने पर प्लॉट के दस्तावेज दिखाए गए। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति को प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र कुमार अग्रवाल कहकर मिलवाया गया। इसके बाद 26 अप्रैल 2018 को 43 लाख रुपए लेकर फरनाज इफ्तेखार द्वारा रजिस्ट्री करवाकर प्लॉट उसके नाम बेच दिया। रकम देने के बाद जब वह प्लॉट की फैंसिंग कराने पहुंची, तब वहॉ आये ओमप्रकाश माहेश्वरी ने उनसे प्लॉट पर अपना मालिकाना हक बताते हुए विवाद किया।

- थाने पहुचंने पर सामने आया फर्जीवाड़ा

खुद को प्लॉट का असली मालिक बताने वाले ओमप्रकाश ने शबनम के खिलाफ कोहेफिजा थाने में शिकायत की। पुलिस ने जॉच के दौरान शबनम को तलब किया यहां ओमप्रकाश माहेश्वरी और उस प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र भी मौजूद थे। तब शबनम को पता चला कि आरोपियों ने उसे किसी अन्य व्यक्ति से मिलवाकर उसे असली प्लॉट मालिक बताया था। इसके बाद उन्होंने आरोपियों से बात की तब आरोपियो ने उनके 43 लाख रुपए वापस देने का वादा किया लेकिन काफी समय बीत जाने पर भी जब आरोपियो ने रकम वापस नहीं की तब परेशान शबनम ने कोहेफिजा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

युवा संगम कार्यक्रमों में 90 हजार को मिला रोजगार

पोर्टल पर 22 लाख से अधिक आकांक्षी युवा दर्ज

भोपाल। मप्र में बेरोजगारी बड़ी समस्या है। हाल ही में हुए बजट सत्र में बेरोजगारी को लेकर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने रहे। मंत्री गौतम टेटवाल ने कौशल विकास योजनाओं और आईटीआई प्रशिक्षण को रोजगार का माध्यम बताया। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाया कि प्रशिक्षण के बाद रोजगार की गारंटी क्या है। उन्होंने निजी कंपनियों में प्रदेश के युवाओं के लिए 80 प्रतिशत कोटा निर्धारित करने की मांग भी की। वहीं में रोजगार पंजीयन पोर्टल पर 22,51,167 आकांक्षी युवा दर्ज हैं, लेकिन नौकरी मिलने का आंकड़ा अपेक्षा से काफी कम है। प्रदेशभर में आयोजित 'युवा संगम' कार्यक्रमों में 2.35 लाख युवाओं ने आवेदन किया, जिनमें से केवल 90 हजार को ही रोजगार मिल पाया।

गौरतलब है कि राज्य सरकार जहां कौशल विकास और निजी क्षेत्र में अवसरों के विस्तार के दावे कर रही है, वहीं विधानसभा के बजट सत्र में बेरोजगारी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। आंकड़े बताते हैं कि पंजीयन बढ़ रहे हैं, पर स्थायी और सम्मानजनक रोजगार की उपलब्धता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच रोजगार पंजीयन के आंकड़ों में लगातार उतार-चढ़ाव देखा गया। वर्ष 2023 में सर्वाधिक 13,71,134 युवाओं ने पंजीयन कराया, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 17,05,369 रही। 31 दिसंबर की स्थिति में जीवित पंजीयन वर्ष 2023 में 33.13 लाख तक पहुंच गया था, जो वर्ष 2020 में 24.72 लाख था। वर्ष 2025-26 में वर्तमान में 22 लाख 51 हजार युवा पंजीकृत हैं। बीते एक वर्ष में 95,130 नए बेरोजगार युवाओं ने पंजीयन कराया है।

रोजगार सृजन की गति अपेक्षित धीमी

सरकार ने निजी कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तर पर युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किए। कुल 2,35,842 आवेदन आए, लेकिन 90 हजार युवाओं को ही रोजगार मिल सका। वर्ष 2024-25 में 10 कंपनियों ने 53,921 ऑफर लेटर जारी किए। इनमें औसत वेतन 5,000 से 28,000 रुपये के बीच रहा। प्रमुख नियुक्तियों में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 12,984, एलएंडटी द्वारा 6,230 और एसबीआई लाइफ द्वारा 4,402 ऑफर लेटर शामिल हैं। पांच मार्च को शाजापुर और 11 मार्च को बैतूल में भी युवा संगम कार्यम प्रस्तावित हैं, जिनमें देश-प्रदेश की कंपनियां भर्ती प्रक्रिया संचालित करेंगी। प्रदेश के 18 जिलों रीवा, सागर, सतना, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, इंदौर, मुरैना, बैतूल, भिंड, छतरपुर, देवास, खरगोन, सिवनी, शिवपुरी, उज्जैन, नर्मदापुरम और राजगढ़ में 50 हजार से अधिक युवा बेरोजगार के रूप में पंजीकृत हैं। आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि पंजीयन और कार्यक्रमों के बावजूद रोजगार सृजन की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। अब नजर आगामी युवा संगम कार्यमों और सरकार की नीतिगत पहल पर टिकी है।

बंदर के निशाने पर आये सरकारी अधिकारी, नायब तहसीलदार को काटा, लगे 12 टांके

भोपाल। मध्यप्रदेश के धार जिले के बदनावर नगर में एक बंदर शुक्रवार शाम को नायब तहसीलदार सहदेव मोरे पर हमला कर दिया। नायब तहसीलदार अपने घर के आंगन में बैठे थे कि अचानक बंदर ने उनके हाथ पर झपट्टा मारा और काट लिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्हें 12 टांके लगे हैं।

जानकारी अनुसार बंदर के हमले के बाद उन्हें तुरंत सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम के निजी हॉस्पिटल में रेफर किया गया, जहां उनका ऑपरेशन हुआ और उन्हें लगभग 12 टांके लगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इससे एक दिन पहले भी लोक निर्माण विभाग के एसडीओ संजय जैन पर वही बंदर हमला कर चुका था, लेकिन वे बाल-बाल बच गए। इस तरह से बंदर का सरकारी अधिकारियों पर हमला करना नगर में चर्चा का विषय बन गया। वन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि बंदर भूख, प्यास और डर के कारण उत्पाती बन जाते हैं। जब उन्हें खतरा महसूस होता है या भोजन की तलाश में उकसाया जाता है तो वे आक्रामक हो जाते हैं। वन विभाग की टीम ने तहसीलदार सुरेश नागर के निर्देश पर डिप्टी रेंजर विक्रम सिंह निनामा के मार्गदर्शन में बंदर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन किया। बंदर ने टीम को करीब आधे घंटे तक चकमा दिया, लेकिन आखिरकार जाल में फंसकर पिंजरे में बंद कर सरदारपुर ले जाया गया।

विधवा महिला से दुष्कर्म करने वाले स्कूली फ्रेंड की तलाश जारी

भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने एक बच्चे की मां की शिकायत पर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले उसके स्कूल फ्रेंड के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। हालांकि अभी तक आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है, पुलिस का कहना है, कि आरोपी की धरपकड़ के लिये टीम जुटी है, और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

जानकारी के अनुसार गांधी नगर इलाके में रहने वाली 22 साल की महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया की वह विवाहिता है। उसके पहले पति की मौत हो चुकी है। पहले पति से उसका तीन साल का बच्चा है। उसके परिवार वालो ने उसकी दूसरी शादी जहांगीराबाद क्षेत्र में कर दी थी। उसका बच्चा पुराने ससुराल में रहता है। आरोप है कि 2 मार्च सोमवार को वह बेटे से मिलने गांधी नगर गई थी। रात करीब साढ़े 8 बजे वह जहांगीराबाद की तरफ जाने वाले आटो का इंतजार कर रही थी। इसी बीच स्कूल में साथ पढ़ने वाला उसका परिचित आदिल नामक युवक उसे मिल गया। आदिल ने उससे कहा कि मैं बाइक से छोड़ देता हूं। इसके बाद आदिल उसे बाइक पर बिठाकर खटलापुरा की तरफ ले गया। पीड़िता ने जब उससे कहा कि कहां लेकर जा रहे हो। तब आरोपी ने कहा कि मेरा एक दोस्त आने वाला है, उससे मिलकर चलते हैं। इसके बाद वह उसे खटलापुरा पार्क के पास सूने स्थान पर ले गया और वहॉ उसे धमकाते हुए जबरन उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। बाद में आरोपी उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। अगले दिन पीड़िता थाने पहुचीं जहॉ पुलिस ने आरोपी आदिल के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया।

कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाएं निभा रहीं सुरक्षा की जिम्मेदारी

भोपाल। बालाघाट जिले में महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। मध्यप्रदेश के इस जिले में स्त्री-पुरुष लिंगानुपात सर्वाधिक है, जहां प्रति 1000 पुरुषों पर 1022 महिलाएं हैं। यह सकारात्मक सामाजिक वातावरण कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी में भी परिलक्षित होता है। कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाएं जोखिम भरे वन कार्यों के साथ-साथ पर्यटन गाइड के रूप में भी नई पहचान बना रही हैं। मुक्की ग्राम की महिलाएं गाइड के तौर पर पर्यटकों को जंगल और वन्यजीवों की जानकारी देती हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह पहल पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान रहे इस क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है।

कान्हा में महिला टीम संभाल रही जंगल सुरक्षा

कान्हा में महिला कर्मचारियों की एक टीम जंगल की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस टीम में खापा रेंजर संध्या देशकर, माना बीट की बीट गार्ड वनरक्षक विनीता मरावी, भैसानघाट बैरियर की वनरक्षक सोनम झारिया, और सुरक्षा श्रमिक प्रेमा यादव और विमला कुशरे शामिल हैं। ये महिलाएं टाइगर रिजर्व में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, वन क्षेत्र की निगरानी और वन्य प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व निभाती हैं।

महिलाएं निभा रहीं सुरक्षा की जिम्मेदारी

उनके दैनिक कार्यों में जंगलों में गश्त करना, बैरियर पर निगरानी रखना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना शामिल है। कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद, वे पूरी लगन और साहस के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। खापा रेंजर संध्या देशकर के अनुसार, जंगल की सुरक्षा में महिलाओं का आगे आना आवश्यक है।

राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल का होगा विस्तार

- मप्र में बनेगी एसआईएसएफ की दो नई बटालियन

भोपाल। मप्र में सरकार राज्य की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने की कवायद कर रही है। इसके लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तर्ज पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) का गठन किया गया है। अब सरकार एसआईएसएफ का विस्तार करने जा रही है। फिलहाल दो बटालियन वाली एसआईएसएफ की बटालियन की संख्या आने वाले समय में बढक़र चार हो जाएगी। वर्तमान में दो बटालियनों में एसएएफ से प्रतिनियुक्ति पर आए लगभग दो हजार जवान तैनात हैं। एसआईएसएफ की दो नई बटालियनों में से हर एक में 983 कर्मचारी होंगे। इनका चयन एसएएफ से प्रतिनियुक्ति पर किया जाएगा।

एसआईएसएफ के फिलहाल रीवा के भटलो और भोपाल के भदभदा में दो क्षेत्रीय मुख्यालय हैं, जबकि पीएचक्यू परिसर में ही बल का राज्य मुख्यालय बनाया जाएगा। फिलहाल एसआईएसएफ प्रदेश में एसईसीएल, पावर जनरेशन कंपनी, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड, मॉइल इंडिया और हिंदुस्तान कॉपर बालाघाट जैसी सरकारी कंपनियों के साथ ही कर्मचारी चयन मंडल, पतंजलि संस्कृत संस्थान, और कई बैंकों को सुरक्षा मुहैया करा रहा है। एसआईएसएफ राज्य का इकलौता ऐसा बल है जिसने पिछले 10 वर्षों में न केवल अपना पूरा खर्च खुद उठाया, बल्कि सरकारी खजाने में 118 करोड़ रुपये का मुनाफा भी जमा किया। पिछले दस साल का आंकड़ा देखा जाए तो सरकारी और निजी कंपनियों को सुरक्षा प्रदान कर एसआईएसएफ ने अब तक 511 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया है। एसआईएसएफ अपनी तय दरों पर राज्य में स्थित सरकारी, अर्ध-सरकारी और निजी उद्योग व व्यापार को अपनी सुरक्षा प्रदान करता है। बड़े उद्योग और सरकारी महकमे एसआईएसएफ को निजी सुरक्षा बलों के बजाय इसलिए तरजीह देते हैं क्योंकि इसमें न केवल पुलिस की कड़ी ट्रेनिंग हासिल करने वाले जवान शामिल होते हैं, बल्कि ये उन्नत हथियारों से भी लैस होते हैं।

प्रतिनियुक्ति पर तैनात होंगे 1900 जवान

नए प्रस्ताव के तहत अब एसएएफ के 1900 अन्य जवानों को इन दो नई बटालियनों में प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जाएगा। इन दो नई बटालियनों के गठन के लिए मंजूर किए गए 129 करोड़ रुपये के बजट का उपयोग दोनों बटालियनों के लिए नए और आधुनिक हथियार, वाहन, संचार उपकरण और सुरक्षा से जुड़े उपकरण खरीदने में किया जाएगा। पिछले साल जीआईएस में बड़े औद्योगिक घरानों ने करोड़ों के निवेश के समझौते किए, तो जमीन, प्लांट और सुरक्षा के लिए एसआईएसएफ की सुरक्षा चाही। फोर्स की कमी के कारण इन प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिल सकी। पिछले दिनों इंदौर और भोपाल में मेट्रो संचालन के लिए भी एसआईएसएफ ही पहली पसंद थी, लेकिन फोर्स की कमी के कारण यह काम भी निजी हाथों में सौंपना पड़ा। फिलहाल एसआईएसएफ के पास पावर सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर, इंडस्ट्रियल सेक्टर, लॉजिस्टिक सेक्टर और इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स की सुरक्षा के लगभग 20 प्रपोजल पाइप लाइन में हैं।

गर्मी ने अभी से दिखाने शुरु किये तीखे तेवर

प्रदेश का मालवा-निमाड़ क्षेत्र सबसे ज्यादा गर्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार गर्मी ने तय समय से पहले ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मार्च के पहले पखवाड़े में ही तापमान 39 डिग्री के करीब पहुंच गया है। प्रदेश के मालवा-निमाड़ इलाके सबसे ज्यादा गर्म रहे, जहां दिन में लू जैसी तपिश महसूस की गई। इंदौर और उज्जैन संभाग के कई जिलों में तापमान 38 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। प्रदेश में मार्च की शुरुआत में ही गर्मी तेज हो गई है। मालवा-निमाड़ क्षेत्र सबसे ज्यादा गर्म रहा और दिन में लू जैसी तपन महसूस हुई। राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में पारा 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों से आ रही गर्म और शुष्क हवाओं का असर प्रदेश में साफ दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि धूप का तीखापन तेजी से बढ़ रहा है। रंगपंचमी के दिन भी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर समेत अधिकांश शहरों में तेज गर्मी रहने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से बदलकर पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। हवा में नमी कम होने और रेगिस्तानी क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाओं के कारण प्रदेश में मार्च की शुरुआत में ही गर्मी का असर तेज हो गया है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अप्रैल और मई में प्रदेश में लू का असर ज्यादा रहेगा। इस दौरान 15 से 20 दिनों तक हीट वेव चलने की संभावना है और कई संभागों में तापमान 45 डिग्री के पार जा सकता है। शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान रतलाम में 38.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा धार में 38.5 डिग्री, नर्मदापुरम में 37.6 डिग्री, सागर में 37.2 डिग्री और गुना में 37 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ।

भारत टी20 विश्व कप का चैंपियन

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हराकर खिताब जीत लिया है। भारत के 255 रन के जवाब में न्यूजीलैंड 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने तीसरी बार टी20 विश्वकप का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2007 में पहले संस्करण और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीती थी। सूर्यकुमार यादव का भी नाम विश्व विजेता कप्तानों में शुमार हो गया है। अहमदाबाद में साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्वकप में हार के बाद कई बातें कही गई थीं, लेकिन अब टीम इंडिया ने चैंपियन बनते हुए इतिहास दोहराया भी, हराया भी और नया इतिहास भी रच दिया।

भारत की पारी: 255 रन बनाए

भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 256 रन का लक्ष्य रखा था।। इस मैच में टीम इंडिया ने रिकॉर्ड्स की बारिश कर दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। भारत एक समय 300 रन बनाती हुई दिख रही थी, लेकिन 16वें ओवर में नीशम ने तीन झटके दिए और इससे रन गति धीमी पड़ गई। भारत का स्कोर 15वें ओवर के बाद एक विकेट पर 203 रन था। इसके बाद 16वें ओवर में टीम इंडिया ने संजू सैमसन, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के विकेट गंवाए। इस ओवर में एक रन बना। फिर 17वें ओवर में सात रन और 18वें ओवर में नौ रन बने। 19वें ओवर में हार्दिक पांड्या आउट हुए और 11 रन बने। हालांकि, आखिरी ओवर में शिवम दुबे का बल्ला चला और इसकी वजह से टीम 250 के पार पहुंच सकी। दुबे आठ गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने आखिरी यानी 20वें ओवर में 24 रन बटोरे।

भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। अभिषेक ने फॉर्म में वापसी की और फाइनल में उनका बल्ला चला। उन्होंने 21 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 52 रन की पारी खेली। संजू के साथ अभिषेक ने 43 गेंद में 98 रन की ओपनिंग साझेदारी की। अभिषेक को रचिन रवींद्र ने आउट किया। फिर संजू ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंद में 105 रन की साझेदारी निभाई। सैमसन ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाया। वहीं, ईशान किशन ने भी फिफ्टी पूरी की। हालांकि, 16वें ओवर में दोनों आउट हो गए। सैमसन फिर शतक से चूक गए। वह 46 गेंद में पांच चौके और आठ छक्के की मदद से 89 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, ईशान ने 25 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 54 रन की पारी खेली।

हार्दिक 13 गेंद में 18 रन बना सके, जबकि सूर्यकुमार खाता नहीं खोल पाए। तिलक छह गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से नीशम ने तीन विकेट झटके, जबकि मैट हेनरी और रचिन को एक-एक विकेट मिला। भारत का 255/5 का स्कोर टी20 विश्वकप फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने खुद का दो साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2024 टी20 विश्वकप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट पर 176 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर सिमटी

न्यूजीलैंड के लिए केवल टिम साइफर्ट और मिचेल सैंटनर ही रन बना सके। इसके अलावा डेरिल मिचेल ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। वरना बाकी सभी 10 रन के अंदर आउट हुए। साइफर्ट ने 26 गेंद में 52 रन की पारी खेली। वहीं, सैंटनर ने 35 गेंद में 43 रन बनाए। मिचेल ने 17 रन की पारी खेली। फिन एलेन नौ रन, रचिन रवींद्र एक रन, ग्लेन फिलिप्स पांच रन, मार्क चैपमैन तीन रन, जेम्स नीशम आठ रन और डफी तीन रन बना सके। मैट हेनरी खाता नहीं खोल सके।

न्यूजीलैंड के नौ विकेट गिरे

न्यूजीलैंड को 153 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। बुमराह ने जेम्स नीशम और मैट हेनरी के बाद मिचेल सैंटनर के क्लीन बोल्ड किया। भारत चैंपियन बनने से एक विकेट दूर है। बुमराह ने इससे पहले रचिन रवींद्र को आउट किया था।

न्यूजीलैंड के आठ विकेट गिरे

न्यूजीलैंड को बुमराह ने 16वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दो झटके दिए। उन्होंने तीसरी गेंद पर नीशम और अगली गेंद पर मैट हेनरी को क्लीन बोल्ड किया। फिलहाल मिचेल सैंटनर और फर्ग्यूसन क्रीज पर हैं। भारत खिताब से दो विकेट दूर है।

न्यूजीलैंड को छठा झटका

न्यूजीलैंड को 13वें ओवर में 124 के स्कोर पर छठा झटका लगा। अक्षर पटेल ने डेरिल मिचेल को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। वह 11 गेंद में 17 रन बना सके। अक्षर की यह तीसरी सफलता रही। 13 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर छह विकेट पर 128 रन है।

अर्शदीप मिचेल में नोकझोंक

11वें ओवर में अर्शदीप और डेरिल मिचेल के बीच नोकझोंक देखने को मिली। ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल डिफेंसिव शॉट खेला और गेंद बाउंस करते हुए अर्शदीप के पास पहुंची। अर्शदीप ने फॉलो थ्रू में गेंद मिचेल के जांघ पर मार दी। इससे मैदान में थोड़ी देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

अर्शदीप सिंह ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड यॉर्कर डाली, जिसे डेरिल मिचेल ने सीधे पिच की तरफ खेल दिया। इसके बाद अर्शदीप ने विकेट की ओर थ्रो मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिचेल की जांघ (थाई) पर जा लगी। इससे मिचेल काफी नाराज हो गए और वह आक्रामक अंदाज में अर्शदीप की ओर बढ़ते हुए हाथों से इशारे करते नजर आए। स्थिति थोड़ी गरम होती दिखी, तभी सूर्यकुमार यादव बीच में आए और मिचेल के कंधे पर हाथ रखकर उनसे बात करते हुए माहौल को शांत करने की कोशिश की। उधर अंपायर ने भी अर्शदीप सिंह से बात की। दरअसल, वह थ्रो बिल्कुल जरूरी नहीं था, इसलिए इस पर मैदान पर थोड़ी बहस देखने को मिली।

10 ओवर का खेल हुआ

10 ओवर के बाद न्यूजीलैंड ने पांच विकेट गंवाकर 88 रन बना लिए हैं। आखिरी 60 गेंद पर न्यूजीलैंड को 168 रन चाहिए। फिलहाल डेरिल मिचेल और मिचेल सैंटनर क्रीज पर हैं।

फिर चला सूर्यकुमार का बल्ला

टी20 विश्व कप पावरप्ले में सर्वाधिक स्कोर

92/0 – भारत बनाम न्यूजीलैंड, अहमदाबाद, 2026 फाइनल
92/1 – वेस्टइंडीज बनाम अफगानिस्तान, ब्रिजटाउन, 2024
91/1 – नीदरलैंड बनाम आयरलैंड, सिलहट, 2014
89/3 – इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, मुंबई विश्व कप, 2016
86/1 – भारत बनाम नामीबिया, दिल्ली, 2026

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल में अर्धशतक

शाहिद अफरीदी (2009)
विराट कोहली (2014)
संजू सैमसन (2026)

टी20द्व सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के

25 – फिन एलन (न्यूजीलैंड) बनाम पाकिस्तान, 2024
24 – संजू सैमसन (भारत) टी20 विश्व कप 2026
24 – सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे) टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर, 2023/24
22 – फिल सॉल्ट (इंग्लैंड) बनाम वेस्टइंडीज, 2023
22 – अभिषेक शर्मा (भारत) बनाम इंग्लैंड, 2025
22 – टिम सीफर्ट (न्यूजीलैंड) बनाम पाकिस्तान, 2025

टी20 विश्व कप में लगातार सर्वाधिक 50 से अधिक स्कोर

3 – महेला जयवर्धने (2010)
3 – विराट कोहली (2016-2021)
3 – बाबर आजम (2021)
3 – केएल राहुल (2021)
3 – कुसल मेंडिस (2026)
3 – साहिबजादा फरहान (2026)
3 – संजू सैमसन (2026)

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

पर्थ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंडर प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रहीं। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुईं। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं । सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं (पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

अमेलिया ने सात विकेट लेकर रिकार्ड बनाने के साथ ही न्यूजीलैंड को दिलायी जीत

जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त ली

डुनेडिन । न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान अमेलिया केर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 34 रन देकर सात विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अमेलिया की इस गेंदबाजी से कीवी टीम ने 8 विकेट से मुकाबला जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बड़ी बढ़त हासिल की है।

अमेलिया की घातक गेंदबाजी से जिम्बाब्वे की टीम केवल 102 रन ही बना पायी। इससे इस गेंदबाज ने सला 1982 के आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में भारत के खिलाफ बनाये जैकी लॉर्ड के 10 रन देकर छह विकेट लेने के 44 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया। ये किसी भी कीवी महिला क्रिकेटर का अब तक का सबसे अच्छा रिकार्ड है।

यह केवल सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सात विकेट लिए हैं, जिससे वह पाकिस्तान की साजिदा शाह, इंग्लैंड की जो चेम्बरलेन, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग, एलिस पेरी, और मौजूदा कोच शेली निट्स्के के एक विशिष्ट क्लब का हिस्सा बन गयी हैं। कीवी टीम ने इस मैच में मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य प्राप्ति को हासिल करने के दौरान भी केर ने 45 रन बनाए जिससे किवी टीम ने दो विकेट पर 103 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया।

हंपी के बाद दिव्या भी शीर्ष दस महिला शतरंज खिलाड़ियों में शामिल

प्राग। भारत की दिव्या देशमुख विश्व शतरंज रैंकिंग में संयुक्त रुप से दसवें स्थान पर पहुंच गयी है। दिव्या 2510 रेटिंग अंकों के साथ विश्व की शीर्ष दस महिला खिलाड़ियों में शामिल हो गयी हैं। दिव्या ने यहां जारी फ्रीडे कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर में 9 दौर के में 5 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं भारत की ही कोनेरू हंपी 2535 अंकों के साथ शीर्ष पांच में बरकरार हैं। वहीं चीन की तीसरे नंबर की महिला खिलाड़ी जू जिनर भी 2.5 अंकों के साथ ही संयुक्त रुप से अंतिम स्थान पर रही। दूसरी ओर पुरुष वर्ग की बात करें तो भारत के सूर्य शेखर गांगुली 4 अंक हासिल करने के साथ ही आठवें नंबर पर आ गये हैं।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया।

एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था।रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने पहली पारी में 373 रन बनाए थे। ऐसे में उसने आसानी से ये मैच जीत लिया।

आईसीसी ने भारत में फंसी टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का किया इंतजाम

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कोलकाता में फंसी टीमों के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया है। " आईसीसी ने ये व्यवस्था इसलिए की है क्योंकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी कुछ टीमें भारत में ही फंसी हुई हैं। इन्हीं टीमों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है। मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण दुबई सहित कई जगहों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधा आई है। इसी को देखते हुए आईसीसी ने वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। इन तीनों टीमों की यात्रा में देरी हो रही थी, जिसके बाद आईसीसी ने खिलाड़ियों और सहायेगी स्टाफ को सुरक्षित तरीके से अपने-अपने देशों तक पहुंचाने के लिए, चार्टर फ्लाइट बुक की है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड टीम शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुई जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीकी टीम को अलग चार्टर फ्लाइट के जरिए भेजा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जोहान्सबर्ग पहुंचेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए रवाना होगी।

वेस्टइंडीज की टीम 1 मार्च से कोलकाता में ही रुकी हुई थी। कैरिबियाई टीम अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में भारत से पांच विकेट से हार के बाद ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद उड़ाने बंद होने से टीम भारत में ही फंस गयी थी।

इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही रुकी हुई थीं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में हराया था। इन हार के बाद दोनों टीमों को उड़नो शुरु नहीं होने से भारत में ही रहना पड़ा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भी इसको लेकर आईसीसी से नाराजगी जतायी थी। वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने भी सोशल मीडिया पर हंसते हुए लिखा, अब तो बेहतर होगा कि मैं स्टार फुटबॉल स्टार से अपना जेट भेजकर मुझे यहां से ले जाने का अनुरोध करुं इससे पहले जिम्मबाब्वे भी कुछ दिन भारत में फंसी थी।

दिव्यांश और ख्याति ने 10 मीटर एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया

नई दिल्ली। निशानेबाज दिव्यांश सिंह पवार और ख्याति चौधरी ने यहां हुए राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स-3 के (ग्रुप एक) में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दिव्यांश ने पुरुष वर्ग के 10 मीटर एयर राइफल में जबकि महिला वर्ग में ख्याति ने इसी वर्ग में नंबर एक स्थान हासिल किया। दूसरी ओर अनीश भानवाला ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के टी3 फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। पंवार ने 252.5 अंक के साथ पहला जबकि पार्थ राकेश माने ने 251.5 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया। शाहू तुषार के 230.9 अंक के साथ ही तीसरे नंबर पर रहे। फाइनल में आठ खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्यांश भारी पड़े।

वहीं महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। ख्याति और महित संधू दोनों 24 शॉट के बाद 251.4 अंक के साथ बराबरी पर थीं। इसके बाद हुए शूट-ऑफ में ख्याति ने शानदार 10.9 का स्कोर किया, जबकि महित ने 10.2 अंक हासिल किये। इस तरह ख्याति ने पहला स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर मेहुली घोस रहीं, जिन्होंने 230.1 अंक हासिल किए।दूसरी ओर पुरुष क्वालिफिकेशन में धनुष श्रीकांत शीर्ष पर रहे। पुरुषों की क्वालिफिकेशन राउंड में धनुष ने 633.2 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर महेश बाबू बथुला 632.6 रहे। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हिमांशु ढिल्लों और नीरज कुमार ने 632.1 अंक के साथ ही तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। इसके बाद पार्थ माने, दिव्यांश और शाहू ने भी फाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया। महिला क्वालिफिकेशन में मेहुली सबसे आगे रहीं। महिलाओं के क्वालिफिकेशन राउंड में मेहुली घोष ने 633.4 अंक के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर सोनम उत्तम मास्कर 633.2 अंक लेकर रहीं। तीसरे स्थान पर तिलोत्तमा सेन 632.0 अंक के साथ रहीं। ख्याति के अलावा महित, विनोद, साक्षी सुनील पडेकर और ईशा अनिल टकसले ने भी फाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपियन भानवाला ने फाइनल में 33 अंक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

कोलकाता। मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है।

डी कॉक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी कॉक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है।

वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, कितो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, आज चार्टर होम ले लो। वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अभी भी कोलकाता में है। दक्षिण अफ्रीका उसी स्थिति में है। यहीं पर अपनी ताकत का प्रयोग गलत है। इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। केवल इसलिए कि आप आईसीसी टेबल पर ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो आपके साथ अलग व्यवहार होगा।

उत्तराखंड में चुनाव से पहले शाह के निशाने पर आई कांग्रेस, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के मुद्दों पर घेरा

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनावों की तपिश अभी से महसूस होने लगी है। राज्य में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले की तस्वीर साफ होती दिख रही है। इसी क्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देवभूमि के दौरे के दौरान कांग्रेस पर चौतरफा हमला बोलकर भविष्य की चुनावी जंग का एजेंडा तय कर दिया है। शाह के तेवरों ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में दोनों दलों के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों की लड़ाई और अधिक तीखी होने वाली है।

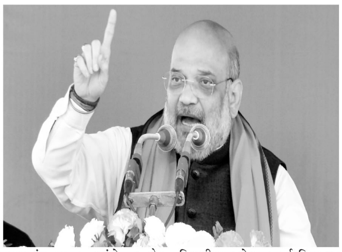

अमित शाह ने अपने संबोधन में ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर वर्तमान राजनीतिक स्थितियों तक कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के काले अध्याय रामपुर तिराहा कांड का जिक्र करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। शाह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से छोटे राज्यों के गठन की विरोधी रही है। उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ के निर्माण के समय विपक्षी दल ने यह तर्क दिया था कि छोटे राज्य प्रगति नहीं कर पाएंगे, लेकिन आज ये तीनों राज्य विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा सरकार द्वारा लिए गए कड़े निर्णयों, जैसे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और मतांतरण विरोधी कानून का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के नजरिए पर प्रहार किया। उन्होंने जनसभा में मौजूद जनता से सीधा सवाल किया कि उन्हें विकास वाली सरकार च ा ि ह ए या मुगलपरस्त मानसिकता वाली कांग्रेस। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया। शाह ने दो टूक शब्दों में कहा कि विरोध के बावजूद केंद्र सरकार पड़ोसी देशों से धार्मिक प्रताड़ना सहकर आए शरणार्थियों को नागरिकता देकर रहेगी। उन्होंने कांग्रेस पर घुसपैठियों का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पूरी तरह बिखर चुकी है और उन्हें हर सकारात्मक कार्य में केवल नकारात्मकता ही दिखाई देती है।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तुलना करते हुए शाह ने त्रिवेंद्र सिंह रावत से लेकर पुष्कर सिंह धामी तक के नौ वर्षों के कार्यकाल को जीरो टॉलरेंस वाला बताया। उन्होंने दावा किया कि विरोधी भी भाजपा सरकार पर एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सके हैं। वहीं, कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के स्टिंग प्रकरण और छात्रवृत्ति घोटाले की याद दिलाई। शाह की ये टिप्पणियां संकेत दे रही हैं कि आगामी चुनावों में भाजपा एंटी-इनकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) को काटने के लिए कांग्रेस के पुराने रिकॉर्ड और संगठन की कमजोरी को अपना मुख्य हथियार बनाएगी। इस आक्रामक रुख से उत्तराखंड की सियासी फिजां पूरी तरह चुनावी रंग में रंग गई है।

पीएम मोदी ने ममता पर साधा निशाना और कहा- राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान को बंगाल की जनता कभी माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान, एक आदिवासी के अपमान और देश के महामहिम राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगी।

पीएम मोदी ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संथाल आदिवासी परंपरा के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने बंगाल गई थीं, लेकिन टीएमसी ने उस आयोजन का बहिष्कार किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश, आदिवासी समाज और नारी शक्ति भी इस अपमान को माफ नहीं करेगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पूरे देश की नारी शक्ति को बधाई दी और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि भारत में महिला सशक्तिकरण नई ऊँचाइयों पर है और नारी शक्ति हर क्षेत्र—राजनीति, प्रशासन, खेल, विज्ञान और समाज सेवा—में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

जमीन बचाने के लिए क्या किया...

- बारिश की कमी वाले कच्छ के रण में घास लगाकर जमीन को मरूस्थली बनने से रोका
- लैंड रिस्टोरेशन के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस तैयार किया, सहयोगी देशों की मदद की
- 2030 तक 26 लाख हेक्टेयर जमीन को हराभरा बनाने का लक्ष्य तय किया है

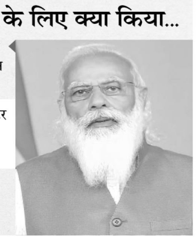

आप पर भी बरसे

दिल्ली में 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण के अवसर पर पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले प्रोजेक्ट फाइलों में अटके रहते थे और जनता की सुविधा प्रभावित होती थी, लेकिन अब भाजपा सरकार के तहत प्रोजेक्ट जमीन पर उतरते हैं और विकास की गति तेज हुई है। पीएम मोदी ने कहा, अगर यहां आपदा सरकार न होती, तो मेट्रो फेज 4 प्रोजेक्ट बहुत पहले पूरा हो जाता। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के कारण आम आदमी पार्टी ने लाखों लोगों की सुविधा को नजरअंदाज किया। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास मॉडल की तुलना पूर्व व्यवस्था से करते हुए जनता के सामने इसे सफलता का प्रतीक बताया।

महिला दिवस पर सीजेआई ने दिया समानता का मंत्र

सिर्फ वकील नहीं, अब जज बनें महिलाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आयोजित इंडियन विमेन इन लॉ के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर की महिला जजों और वकीलों ने हिस्सा लिया। इस ऐतिहासिक मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस नागरत्ना ने कानूनी पेशे में महिलाओं की चुनौतियों और भविष्य पर बेबाक राय रखी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कानूनी पेशे में महिलाओं की बहादुरी को सराहा। उन्होंने बताया कि महज एक सदी पहले औपनिवेशिक शासन में महिलाओं को कानून की प्रैक्टिस करने तक की अनुमति नहीं थी। हालांकि, सीजेआई ने ये भी कहा कि संस्थानों में महिलाओं की समान भागीदारी का सफर अभी अधूरा है। सीजेआई के मुताबिक, कानूनी पेशे ने अनजाने में एक ऐसा माहौल बना दिया है जो महिलाओं पर अदृश्य बोझ डालता है, जिसमें देर रात तक काम, बार-बार पूछे जाने वाले सवाल और परिवार की उम्मीदें शामिल हैं।

बेंच में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

प्रतिनिधित्व की अहमियत पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि बेंच पर बैठने वाली हर महिला एक बड़ा संदेश देती है। उन्होंने हाई कोर्ट के कॉलेजियम से अनुरोध किया कि वो सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रही उन महिला वकीलों के नामों पर भी विचार करें जो उनके राज्यों से जुड़ी हैं, ताकि उन्हें जज के रूप में प्रमोशन दिया जा सके।

जस्टिस नागरत्ना ने सुनाया किस्सा

जस्टिस नागरत्ना ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपने पुराने दिनों का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार कोर्ट में पुरुष वकील आगे बढने की होड़ में थे, तब जज ने उन्हें पहले मौका देते हुए विमेंस डे की बधाई दी। जस्टिस नागरत्ना ने तब कहा था कि माय लॉर्ड, मेरी इच्छा है कि हर दिन महिला दिवस हो।

30 प्रतिशत आरक्षण और वर्क-लाइफ बैलेंस की मांग

जस्टिस नागरत्ना ने सरकार और सिस्टम के सामने कुछ ठोस प्रस्ताव रखे। उनके मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारों के पैनल वकीलों में कम से कम 30 प्रतिशत महिलाएं होनी चाहिए। उन्होंने हाई कोर्ट को अगले दिन की कॉजलिस्ट शाम 5 बजे तक जारी करने की भी मांगी की, ताकि महिला वकील समय पर घर जाकर तैयारी कर सकें और परिवार को समय दे सकें। जस्टिस नागरत्ना ने प्रस्ताव में कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं बार में आती हैं, लेकिन शादी और बच्चों के बाद वो अपने इस करियर को जारी नहीं रख पातीं। ऐसे में सीनियर वकील ऐसी महिलाओं को सपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि हम अपना हक इसलिए मांग रहे हैं क्योंकि हम इसके काबिल और हकदार हैं, न कि सिर्फ इसलिए कि हम महिलाएं हैं।

आंकड़ों में बदलाव की तस्वीर

सम्मेलन में बताया गया कि जिला स्तर पर अब 37 प्रतिशत न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं, जो एक बड़े बदलाव का संकेत है। जस्टिस लिसा गिल की पदोन्नति के बाद अब देश के तीन हाई कोर्ट्स में महिला मुख्य न्यायाधीश होंगी।

अनिल अंबानी पर 1,085 करोड़ की धोखाधड़ी का नया केस

पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज, 2013 से 2017 के बीच हुआ फ्रॉड

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व डायरेक्टर अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। ये कार्रवाई पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर की गई है। बैंक का आरोप है कि अनिल अंबानी और उनकी कंपनी ने 2013 से 2017 के बीच बैंक के साथ 1,085 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। सीबीआईने इस मामले में आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

पीएनबी के मैनेजर संतोषकृष्ण अन्नवरपु की शिकायत के अनुसार, अनिल अंबानी और कंपनी के अन्य निदेशकों ने बैंक से लिए गए फंड का गलत इस्तेमाल किया। एफआईआर में कहा गया है कि आरोपियों ने पीएनबी को 621.39 करोड़ रुपए और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (जिसका अब पीएनबी में विलय हो चुका है) को 463.80 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है। बैंक का दावा है कि कंपनी ने लोन की रकम को उन जगहों पर निवेश किया या भेजा, जिसकी जानकारी बैंक को नहीं दी गई थी।

फरवरी में भी दर्ज हुआ था धोखाधड़ी का मामला

इससे पहले फरवरी में भी अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि अनिल अंबानी और उनकी कंपनी ने साल 2013 से 2017 के बीच बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ 2,220 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी की है।

15 हजार करोड़ की प्रॉपर्टीज अटैच

प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित बंगले 'एबोड' को अटैच यानी जब्त कर लिया है। इसकी कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपए आंकी गई है। अनिल अंबानी बैंक फ्रॉड मामले में अनिल अंबानी की कई प्रॉपर्टी अटैच हो चुकी हैं। अटैच की गई प्रॉपर्टीज दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई, कांचीपुरम और ईस्ट गोदावरी जैसे शहरों में हैं। इनमें रेसिडेंशियल यूनिट्स, ऑफिस स्पेस और लैंड पार्सल शामिल हैं। अब तक करीब 15 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच हो चुकी है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून के तहत की गई है। मामला उनकी ग्रुप कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा किए गए कथित बैंक फ्रॉड से जुड़ा है।

नशे के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन- ऑटो रिक्शा से एमडी ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो पेडलर गिरफ्तार

सूरत। शहर में नशाबंदी अभियान के तहत पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसी कड़ी में डिंडोली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर वॉच लगाकर पुलिस ने मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स की बिक्री और तस्करी से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक दोनों पेडलर ऑटो रिक्शा का इस्तेमाल कर शहर में ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने जब दोनों आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से 4.99 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत करीब 14,970 रुपये बताई जा रही है।

इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई ऑटो रिक्शा, मोबाइल फोन और नकद राशि भी जब्त की है।

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे।

वाव में 'ऑपरेशन म्यूल अकाउंट' का बड़ा खुलासा, रु. 2.99 करोड़ के साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश

दो सगे भाइयों सहित 6 आरोपी नामजद, भाड़े के बैंक खातों के जरिए 6 राज्यों में फैला था ठगी का नेटवर्क

बनासकांठा। उत्तर गुजरात के वाव में साइबर क्राइम का बड़ा खुलासा हुआ है। वाव पुलिस ने 'ऑपरेशन म्यूल अकाउंट' के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 2.99 करोड़ रुपये से अधिक के साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है। जांच में सामने आया है कि यह रकम देश के अलग-अलग राज्यों में लोगों से ठगी कर भाड़े के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वाव तालुका के देथली गांव के कुछ लोगों ने यह बड़ा नेटवर्क खड़ा किया था। इस गिरोह के मुख्य सूत्रधार दो सगे भाई हसमुख रावल और गौतम रावल बताए जा रहे हैं। दोनों आरोपी अन्य लोगों के बैंक खातों को किराए या कमीशन पर लेते थे। ऐसे खातों को 'म्यूल अकाउंट' कहा जाता है, जिनका इस्तेमाल साइबर फ्रॉड की रकम छिपाने और उसे अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने तमिलनाडु, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ समेत छह राज्यों में बड़े पैमाने पर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया। लोगों को नौकरी, निवेश और अन्य आकर्षक ऑफर का लालच देकर उनसे पैसे ठगे जाते थे। ठगी की रकम पहले भाड़े के बैंक खातों में जमा कराई जाती और फिर नेट बैंकिंग के जरिए अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी जाती थी। कुछ रकम नकद निकाली जाती थी, जबकि कुछ पैसे क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेज दिए जाते थे।

यह पूरा मामला इंडियन साइबर कोऑर्डिनेशन सेंटर द्वारा विकसित 'समन्वय पोर्टल' के डेटा विश्लेषण से सामने आया। पोर्टल पर वाव क्षेत्र के कुछ बैंक खातों को संदिग्ध चिह्नित किया गया था, जिसके बाद वाव पुलिस ने गहन जांच कर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया। जांच में हसमुख रावल और गौतम रावल के अलावा अतुल लुहार, हरसेंग चौधरी, हितेश रावल और विपुल रावल के नाम भी सामने आए हैं। इन सभी के बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड की रकम के लेन-देन के लिए किया जा रहा था।

वाव पुलिस ने बताया कि देशभर में चल रहे कई साइबर अपराध इस नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। यह नेटवर्क कब से सक्रिय था, इसमें और कितने लोग शामिल हैं तथा कितने अन्य बैंक खातों का उपयोग किया गया है, इसकी गहन जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता है और आगे भी कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे अपने बैंक खाते किसी को भी किराए पर न दें। यदि आपके बैंक खाते में कोई संदिग्ध लेन-देन दिखाई दे तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

चलती ट्रेन में आशुतोष महाराज पर जानलेवा हमला...

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य वादी आशुतोष ब्रह्मचारी पर चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि रीवा एक्सप्रेस में उन पर धारदार हथियार से अटैक हुआ, नाक काटने की कोशिश की गई। उन्होंने इस हमले के पीछे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके सहयोगियों की साजिश होने का आरोप लगाया है। मामले में प्रयागराज के जीआरपी थाने में लिखित शिकायत दी गई है और पुलिस जांच में जुट गई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक, हमला उस समय हुआ, जब वे रीवा एक्सप्रेस से प्रयागराज आ रहे थे। उनका कहना है कि ट्रेन फतेहपुर और सिराथू के बीच पहुंचने वाली थी और इसी दौरान वे टॉयलेट जाने के लिए उठे थे। तभी एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमलावर ने सीधे उनकी नाक पर वार करने की कोशिश की और कई जगहों पर चोट पहुंचाई। अचानक हुए इस हमले से ट्रेन के डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई। आशुतोष ब्रह्मचारी का दावा है कि उन्होंने हमलावर का सामना किया और किसी तरह अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि हमले के बाद उन्होंने खुद को ट्रेन के बाथरूम में बंद कर लिया, जिससे उनकी जान बच सकी। घटना के बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों में भी दहशत का माहौल बन गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी नाक काटने के लिए पहले से ही 21 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उनका दावा है कि इसी घोषणा के तहत यह हमला कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी साजिश पहले से रची गई थी और इसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तथा उनके सहयोगियों की भूमिका हो सकती है। हालांकि इन आरोपों की जांच चल रही है। घटना के बारे में बताते हुए आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा कि जिस समय उन पर हमला हुआ, उस वक्त हमलावर अकेला ही था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि संभव है कि उसके साथ अन्य लोग भी कहीं आसपास मौजूद रहे हों। उन्होंने बताया कि हमलावर के हाथ में धारदार हथियार था और उसने कई बार वार करने की कोशिश की, जिससे उन्हें चोटें आई हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरने के तीसरे दिन, बोलीं

भाजपा पर एक देश, एक नेता-एक पार्टी का पागलपन सवार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। टीएमसी सुप्रीमो ने चुनाव आयोग को वैनिश कमीशन कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इलेक्टोरल रोल से सही वोटर्स के नाम हटाने के लिए वैनिश कमीशन का गलत इस्तेमाल कर रही है। उनका यह कमेंट ऐसे दिन आया है जब चुनाव आयोग की पूरी बेंच राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए कोलकाता आने वाली है। ममता ने कहा कि एक देश, एक नेता, एक पार्टी के पागलपन में, भाजपा ने जन-विरोधी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को सिस्टमैटिक तरीके से हथियार बना लिया है।

बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा का आखिरी मकसद बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए गए संविधान को अपने पार्टी मैनिफेस्टो से बदलना है। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना

शुरू किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि सालों से उन्होंने सेंट्रल एजेंसियों, नेशनल कमीशन, एक गुलाम गोदी मीडिया और ज्यूडिशियरी के एक आज्ञाकारी हिस्से को बंगाल के खिलाफ इस्तेमाल किया है। वे वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए वैनिश कमीशन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा लीडरशिप दिल्ली की जमींदार है। हम उन्हें बंगाल को अपने अधीन करने के मिशन में कभी कामयाब नहीं होंगे। धर्मतला में हमारा धरना हर उस बांग्ला-विरोधी (बंगाल-विरोधी) एजेंडे का जवाब है जो इस राज्य के लोगों को बेइज्जत करने, डराने और परेशान करने की कोशिश करता है। भाजपा की एकमात्र प्राथमिकता सत्ता है, लेकिन हमारी प्राथमिकता हमेशा से राज्य की जनता रही है।

भारत से संबंधों पर बदले चीन के सुर, विदेश मंत्री वांग यी बोले

हम प्रतिद्वंदी नहीं साझेदार, टकराव से एशिया का नुकसान

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे को खतरे की बजाय अवसर के रूप में समझने की जरूरत है।

चीनी संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के सत्र के दौरान आयोजित वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने कहा कि दोनों देशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा तय किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधों को आगे बढ़ाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि दोनों देशों को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। इस वर्ष भारत क्क्रढ्ढष्टस् की मेजबानी करेगा, जबकि 2027 में चीन इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत

वांग यी ने बताया कि पिछले साल तियानजिन में मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात सकारात्मक रही थी। उन्होंने कहा कि 2024 में रूस के कजान में हुई बैठक से दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत हुई, जिसके बाद तियानजिन में हुई बातचीत ने संबंधों को और बेहतर बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि हाल के समय में दोनों देशों के बीच राजनयिक संवाद, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क में तेजी आई है। द्विपक्षीय व्यापार ने नया रिकॉर्ड बनाया है और इससे दोनों देशों के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है।

भारत और चीन ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण देश

भविष्य की दिशा पर बोलते हुए वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को पड़ोसी देशों के रूप में मित्रता बनाए रखनी चाहिए और सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही दोनों देशों को विकास और सहयोग पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण देश हैं और दोनों के बीच गहरे ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंध हैं। वांग के अनुसार, आपसी विश्वास और सहयोग से दोनों देशों के विकास को गति मिल सकती है, जबकि टकराव और विभाजन एशिया के विकास के लिए नुकसानदायक होगा।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर । समाज । गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

माना हत्याकांड- 6 घंटे में पुलिस ने सुलझाई गुत्थी

रिश्ते की भाभी से बातचीत को लेकर उपजा शक बना हत्या की वजह, चचेरा भाई गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माना में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने महज छह घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक के चचेरे भाई सुरेश पिता जीवन सिंह सैयाम 40 को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रामसिंह सैयाम40 का अपने रिश्ते की भाभी से बातचीत करना आरोपी सुरेश सैयाम को नागवार गुजर रहा था। इसी शक और आपसी विवाद के चलते आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपी सुरेश सैयाम के सगे भाई की करीब डेढ़ वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी। मृतक की पत्नी से रामसिंह सैयाम का रिश्तेदारी का संबंध था और दोनों के बीच बातचीत होती रहती थी। इसी बात को लेकर सुरेश सैयाम को संदेह रहने लगा था। बताया गया है कि इस बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद की स्थिति बनी रहती थी और आरोपी सुरेश सैयाम मन ही मन रामसिंह से रंजिश रखने लगा था। 6 मार्च की रात सुरेश सैयाम, रामसिंह सैयाम के घर पहुंचा। उस समय रामसिंह घर में अकेला था। क्योंकि उसकी पत्नी और बच्चे गांव में ही आयोजित एक जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने गए हुए थे। मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने डंडे से रामसिंह पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर मारपीट के कारण रामसिंह सैयाम की मौके पर ही मौत हो गई। 7 मार्च की सुबह सूचना मिलते ही गढ़ी थाना पुलिस और बालाघाट से एफएसएल टीम मौके पर ग्राम माना पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को सुरेश सैयाम पर संदेह हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने रामसिंह सैयाम की हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि शक और गुस्से के कारण उसने डंडे से मारपीट कर वारदात को अंजाम दिया।8 मार्च को गढ़ी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील घावरी ने आरोपी सुरेश सैयाम को बैहर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए महज छह घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझा ली और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

महज 24 घण्टे में अपहरण व लूट का पर्दाफाश

नाबालिक का अपहरण कर चाकू की नोक पर की थी लूटपाट

कोतवाली पुलिस ने मामले का खुलासा कर 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, आटो क्रमांक से आदतन आरोपियों तक पहुँची पुलिस, सभी आरोपियों पर पूर्व से दर्ज थे मामले

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पिछले दिनों 4 मार्च धुरेली के दिन नगर के बस स्टैंड से एक नाबालिक युवक का अपहरण कर जबरन आटो में भरकर उसे डेंजर रोड़ के सुनसान इलाके में ले जाने, और वहां चाकू की नोक पर उससे लूटपाट करने की वारदात सामने आई थी। इस मामले का खुलासा करते हुए कोतवाली पुलिस ने महज 3 दिनों के भीतर मामले में लिप्त 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से अपहरण व लूटपाट में उपयोग की गई आटो, चाकू सहित अन्य सामग्री जप्त की गई है तो वहीं नाबालिक का पर्स व लूटा गया मोबाईल बरामद कर सभी आरोपियों को रविवार शाम न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों में इनका समावेश, पूर्व से दर्ज है मामले

नाबालिक युवक का अपरहण कर, चाकू की नोक पर उससे लूट करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी 20 वर्षीय कलीम उर्फ सोनु उर्फ सलीम पिता अख्तर अली,वार्ड नं 10 निवासी 20 वर्षीय कादिर पिता बसीर खान, जोहेब शेख उर्फ जुब्बु पिता जाकिर शेख 22 वर्ष और भटेरा चौकी निवासी करम उर्फ सोनू पिता मिलिंद कावड़े को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

नशे के लिए पैसे ना देने पर अपहरण कर की थी लूट

प्राप्त जानकारी के अनुसार होली की धुरेड़ी पर 4 मार्च को नगर के बस स्टैंड पैट्रोल पम्प के पास ऑटो से आए चार युवको ने बूढ़ी निवासी एक नाबालिग युवक आयुष बैस से पहले शराब के लिए पैसे मांगे, जब युवक ने पैसा देने से मना किया तो आरोपियों ने गाली गलौच कर उसे जबरदस्ती ऑटो में बैठालकर डेंजर रोड के सुनसान स्थल ले गए। जहां चार आरोपियों ने चाकु की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। जहां आरोपियों ने युवक से मोबाईल फोन, 2500 रूपए रखा पर्स छीनकर फरार हो गए थे। जिसकी तीन दिन बाद पीड़ित आयुष बैस ने 7 मार्च को पुलिस में शिकायत की। साथ ही पुलिस को उस ऑटो का भी नंबर दिया। जिससे आरोपी उसे उठा ले गए थे। बताया गया कि इस मामले मे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़ित के द्वारा बताए गए ऑटो नंबर एमपी 50 आर 0639 की तलाश शुरू की। सीसीटीव्ही फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने अपहरण व लूट वाले इस मामले का 24 घंटे में ही खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अलग-अलग स्थानों से धर दबोचे गए आरोपी

उधर घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय और नगर पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।जांच के दौरान पुलिस ने शहर के विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसके साथ ही पुराने अपराधियों, हाल ही में जेल से छूटे संदिग्धों तथा निगरानी बदमाशों से भी पूछताछ की गई। लगातार की गई पतासाजी और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों पर पहले से दर्ज है कई अपराध

मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने पर जब उनका रिकॉर्ड खंगाला गया तो पुलिस भी हैरान रह गई।पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। मुख्य आरोपी कलीम उर्फ सोनू उर्फ सलीम के खिलाफ थाना कोतवाली में हत्या के प्रयास, अपहरण, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट, मारपीट और आपराधिक धमकी सहित 10 अपराध दर्ज हैं, तथा जिला छिंदवाड़ा में भी उसके खिलाफ चोरी और आर्म्स एक्ट के भी 5 प्रकरण दर्ज हैं। वहीं आरोपी कादिर के विरुद्ध कोतवाली में अपहरण, लूट, रात्रिकालीन गृहभेदन, चोरी और मारपीट के 8 मामले दर्ज हैं तथा लालबर्रा और वारासिवनी थानों में भी चोरी के प्रकरण दर्ज हैं।इसी तरह आरोपी जोहेब शेख उर्फ जुब्बू के खिलाफ अपहरण, लूट और चोरी के 2 मामले दर्ज हैं, जबकि करम उर्फ सोनू के खिलाफ अपहरण, लूट और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर दुर्घटना करने के प्रकरण दर्ज हैं।

आटो क्रमांक से आरोपियों तक पहुची पुलिस- धूमकेती

कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने बताया कि फरियादी नाबालिक युवक द्वारा बताया गया था कि उसे एक ऑटो में जबरन बिठाकर डेंजर रोड़ ले जाया गया था, जहां चाकू की नोक पर उसका मोबाइल और पर्स लूटा गया था। इस मामले में फरियादी द्वारा ऑटो क्रमांक बताया गया था, जिसके आधार पर पुलिस मामले में लिप्त सभी आरोपियों तक पहुंची और उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि ऑटो के साथ आरोपी रजा नगर निवासी कलीम उर्फ सोनु उर्फ सलीम पिता अख्तर अली को गिरफ्तार कर किया गया।जिससे पूछताछ पर लूट में शामिल दो आरोपियों को कब्रिस्तान और एक अन्य आरोपी को पॉवर हाउस से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कलीम पर बालाघाट में 10 और छिंदवाड़ा में 5 अपराध, कादिर पर 8, जोहेब शेख उर्फ जुब्बु तथा करम उर्फ सोनु पर दो-दो अपराध दर्ज है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त ऑटो क्रमांक एमपी 50आर0639, एक धारदार चाकू, लूटा गया मोबाइल फोन तथा पर्स बरामद किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से अन्य संभावित अपराधों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती, उपनिरीक्षक गौरव धुर्वे, उपनिरीक्षक संजय सिंह किरार, सहायक उपनिरीक्षक भुनेश ठाकरे, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे तथा आरक्षक शेख शहजाद, हेमंत बसेने और प्रियांक श्रीवास सहित थाना कोतवाली बालाघाट के पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

अज्ञात महिला की फांसी लगाने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर के गांधी चौक रोड़ किनारे गुलमोहर के पेड़ में एक अज्ञात महिला की फांसी लगाने से मौत हो गई। इस महिला की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। बैहर इस महिला के वारसानो की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार बीते कुछ महीनो से यह अज्ञात महिला बैहर में घूमते हुए से देखी जा रही थी। बस स्टैंड में कभी चाय की दुकान में तो गली मोहल्ले में देखी गई। 7 मार्च की रात्रि 10ः00 बजे करीब बैहर के गांधी चौक रोड किनारे स्थित गुलमोहर के पेड़ में इस महिला ने फांसी लगा ली। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और इस महिला का शव पेड़ से नीचे उतारे और बैहर अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। इस महिला की पहचान नहीं हो पाई है। उसकी उम्र करीब 55 वर्ष जो पीले रंग की साड़ी और हरे रंग का ब्लाउज पहने हुए। बैहर पुलिस इस महिला की पहचान हेतु उसके वारसानो की तलाश कर रही है और आसपास के ग्रामो और थानों को इस महिला के संबंध में सूचित किया गया है।

डोंगरमाली भानपुर मार्ग पर पलटा ट्रेक्टर ट्राली कृष्णा घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भानपुर से डोंगरमाली मार्ग पर ८ मार्च की शाम करीब ४ बजे ट्रैक्टर एवं ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। जिसमें सवार कृष्ण नगपुरे गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भेंडारा में किसी परिवार में विवाह कार्यक्रम आयोजित था। जिसकी बारात खैरलांजी गई हुई थी जहां से ८ मार्च को विवाह संपन्न होने के बाद बारात वापस भेंडारा आई और विवाह में दिए गए दहेज को ट्रैक्टर के माध्यम से भेंडारा लाया गया। ट्रैक्टर चालक के द्वारा दूल्हे के घर में दहेज उतार कर वापस वह खैरलांजी के लिए जा रहा था। तभी डोंगरमाली से भानपुर मार्ग पर अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। जिसमें ट्रैक्टर चालक के द्वारा कूद कर अपनी जान बचा ली गई परंतु ट्रैक्टर में सवार कृष्णा नगपुरे उम्र २४ वर्ष खैरलांजी निवासी समय रहते कूद नहीं पाया। जो ट्रैक्टर पलटने से गंभीर घायल हो गया जिसकी कमर में गंभीर चोटें आई है। घायल को तत्काल डोंगरमाली उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर प्राथमिक उपचार किया गया। जहां से बेहतर उपचार के लिए घायल को जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरुनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है
लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री साई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु इ्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।
-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट